शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
वर्ष : 10 | अंक : 334 | गुवाहाटी | गुरुवार, 4 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा नेताओं ने सीएम आवास के घेराव की कोशिश की पेज 2
केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया पेज 3
हाथरस घटना की न्यायिक जांच होगी : योगी पेज 5
5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं आईपीएल टीमें : मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में... पेज 7

Door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भलाई करना कर्तव्य नहीं, आनंद है, क्योंकि वह तुम्हारे स्वास्थ्य और सुख की वृद्धी करता है।
–जरथुष्ट्र

भौगोलिक परिस्थितियों के कारण राज्य में बाढ़ की स्थिति भयावह : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भौगोलिक कारणों से असम में बाढ़ की स्थिति जब तक भयावह हो जाती है। उन्होंने कहा कि वे दिन-रात बाढ़ पीड़ित लोगों की सेवा में तथा तटबंधों की हिफाजत के लिए काम कर रहे हैं। बुधवार को बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद धारापुर में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में बादल फटने की घटना के कारण असम में इस बार बाढ़ की स्थिति जटिल हो गई। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन, अरुणाचल प्रदेश और भूटान आदि में अधिक बारिश होने के कारण असम में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। स्थिति में सुधार लाने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन इसे रोकना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि ऊपरी असम में बारिश में कमी आने के कारण मोरीगांव तक ब्रह्मपुत्र समेत इसकी सहायक नदियां खतरे के निशान से नीचे बहने लगी हैं। वहीं, गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र खतरे के निशान पर बह रही है। यदि बारिश में कमी आती है तो निश्चित ही स्थिति में सुधार होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ पीड़ित लोगों की पूरी तरह सहायता की जा रही है। वहीं, सोशल मीडिया के जरिए -शेष पृष्ठ दो पर

चंपई सोरेन का सीएम पद से इस्तीफा हेमंत फिर से संभालेंगे कमान

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बुधवार को शीर्ष पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे फिर से सीएम के रूप में हेमंत सोरेन की वापसी का मंच तैयार हो गया। सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद पद छोड़ने के लिए मजबूर होने के लगभग पांच महीने बाद, हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में वापस आने के लिए तैयार हैं। सोरेन को 28 जून को झारखंड उच्च न्यायालय ने भूमि घोटाला मामले में जमानत दे दी थी। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी के आरोप का समर्थन करने वाला कोई सबूत नहीं है। रांची में मुख्यमंत्री आवास पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

वरिष्ठ आदिवासी नेता को सीएम पद से हटाना अत्यंत दुखद : हिमंत

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर लिखा है कि झारखंड में झामुमो एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा एक वरिष्ठ आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाना अत्यंत दुखद है। मुझे यकीन है कि झारखंड की जनता इस फैसले की कड़ी निंदा करेगी और इसे दृढ़ता से खारिज करेगी। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने एक्स पर लिखा कि चंपाई सोरेन जैसे वरिष्ठ नेता के साथ सोरेन परिवार का यह व्यवहार बहुत शर्मनाक और निंदनीय है। अब झारखंड के चुनावों में कुछ महीने ही बचे हैं लेकिन सोरेन परिवार को सत्ता की ऐसी बेकरारी है कि वे इससे एक दिन भी दूर नहीं रह सकते हैं। वैसे भी सरकार तो जेल से हेमंत सोरेन ही चला रहे थे लेकिन जेल से जमानत पर बाहर आते ही फिर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

रास अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के बाद आज प्रधानमंत्री ने जवाब दिया। राज्यसभा की कार्यवाही 25 जून को शुरू हुई थी। इस दौरान सदन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की। आज सदन की कार्यवाही की शुरुआत में राज्यसभा सभापति जगदीप -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में एक और पुल गिरा

पटना (हि.स.)। बिहार के सीवान जिले में बुधवार को पुल गिरने की घटना के बाद सारण जिले में एक और पुल धाराशायी हो गया। पुल टूटने की घटना सारण जिले के जनता बाजार थाना क्षेत्र में हुई है। सारण जिले के लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार में वर्ष 2010-11 में गंडक नदी पर बना यह पुल काफी पुराना था। बारिश के कारण नदी में बढ़ते जलस्तर के दबाव से पुल नदी में समा गया। घटना में किसी के हताहत होने की खबर -शेष पृष्ठ दो पर

पांडू के कई इलाके बाढ़ की चपेट में

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की जीवन रेखा स्वरूप महाबाहु ब्रह्मपुत्र नद का जलस्तर हर घंटे बढ़ रहा है। बुधवार की सुबह से ही राजधानी गुवाहाटी के पांडू के कई इलाकों में नद का पानी नालों द्वारा प्रवेश कर गया है। जिससे इलाके के अनेक घरों में पानी घुस गया है। लोंगो को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हैं। पांडू बीबीसी कॉलोनी, लोको कॉलोनी, पांडू नाथ बस्ती, पांडू पुराना बाजार समेत नद किनारे का विशाल इलाका फिलहाल पानी में डूबा हुआ है। उल्लेखनीय हैं कि ब्रह्मपुत्र नद का पानी बढ़ जाने से गाय, मृत हिरण के शव और जीवित हिरण ब्रह्मपुत्र में बहकर पांडू के किनारे फंस गए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों ने हमें जनादेश दिया : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की सबसे बड़ी विरोधी है। कांग्रेस पार्टी ने संविधान और संवैधानिक पदों पर एक परिवार को हमेशा आगे रखा है। इस बार अगर संविधान की रक्षा का चुनाव था तो संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों ने हमें योग्य पाया है। संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों को हम पर भरोसा है और संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों ने हमें जनादेश दिया है। राज्यसभा में आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस को संविधान की बात करना शोभा नहीं देती। दर्जनों आर्टिकल्स को, संविधान की आत्मा को छिन्न-भिन्न करने का पाप इन लोगों ने किया था। इनके मुंह से संविधान की बात शोभा नहीं देती, ये पाप करके बैठे हुए लोग हैं। उन्होंने कहा कि हम 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाएंगे तो मैं हैरान हूं कि जो आज संविधान की प्रति लेकर घूमते रहते हैं, दुनिया में लहराते रहते हैं, उन्होंने विरोध किया था कि 26 जनवरी तो है, फिर संविधान दिवस क्यों लाएं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जांच एजेंसियों पर लग रहे आरोपों पर बुधवार को राज्यसभा में जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एजेंसियों का दुरुपयोग कांग्रेस किया करती थी। कांग्रेस के कार्यकाल में नेताजी मुलायम सिंह यादव ने 2013 में कहा था कि कांग्रेस सीबीआई का डर दिखाती है, आयकर का दुपरुयोग करती है। उन्होंने अन्य उदाहरण देते -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली। राउज ऐवन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ा दी है। बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वीडियो कांफ्रेंसिंग से रॉउज एवन्यू कोर्ट में पेश हुए थे। दूसरी ओर, आबकारी मामले में कथित घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में अरविंद केजरीवाल ने जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी मामले में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के सीबीआई मामले में जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि वह सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे दिल्ली आबकारी नीति मामले में जमानत -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में कैदी को अस्पताल न ले जाने पर एससी नाराज, कहा–

हमें राज्य सरकार पर भरोसा नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर जेल में बंद कुकी समुदाय के विचाराधीन कैदी को इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाने पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने पीड़ित के अल्पसंख्यक कुकी समुदाय का होने के कारण सरकार पर भरोसा नहीं होने की बात कही है। जस्टिस जेबी पार्दीवाला और उज्ज्वल भुयन की खंडपीठ ने लुंखोनगम हाओकिप की दायर याचिका पर विचार करते हुए बुधवार को कड़ी टिप्पणी की है। जेल में बंद हाओकिप का आरोप है कि वह पाइल्स और ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) की बीमारी से पीड़ित है। उसकी पीठ में तेज दर्द होने के बावजूद उसे जेल प्रशासन ने अस्पताल में भर्ती नहीं कराया है। कुकी समुदाय के हाओकिप के सरकार पर भरोसा नहीं होने की बात कहने पर अदालत ने इस मामले पर कहा कि यह बेहद दुखद है। हम हाओकिप की चिकित्सकीय जांच कराने का आदेश देते हैं। अगर मेडिकल रिपोर्ट में कुछ गंभीर मिला तो हम आगे की कार्रवाई करेंगे। कोर्ट ने 15 जुलाई -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान पर पक्ष रखने नहीं देने पर किया वाकआउट : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री के राज्यसभा में वक्तव्य के दौरान विपक्ष के वाकआउट पर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बाहर आकर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब के दौरान कुछ *गलत बातें* कही थी। वे इस पर अपनी बात रखना चाहते थे लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि झूठ बोलना और सच्चाई से परे बातें -शेष पृष्ठ दो पर

हाथरस हादसे पर भोले बाबा का आया पहला बयान, कहा–

असामाजिक तत्वों ने मचाई भगदड़, मैं निकल गया था

लखनऊ। बाबा नारायण साकार हरि ने हाथरस कांड पर अपना पहला बयान जारी किया है, जिसमें मंगलवार को भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। बयान में उन्होंने इस दुखद घटना के लिए *असामाजिक* तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। एसडीएम की एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि नारायण साकार हरि के अनुयायियों को भगवान की सुरक्षा द्वारा धक्का दिए जाने के बाद अराजकता फैल गई थी और *फिसलन ढलान* के परिणामस्वरूप भगदड़ हुई जिसमें 121 लोग मारे गए। एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए भोले बाबा ने -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी के घर के बाहर बढ़ी सुरक्षा

नई दिल्ली। दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा अशांति फैलाये जाने संबंधी खुफिया सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिसकर्मियों के साथ अर्धसैनिक बलों की एक प्लाटून को भी गांधी के आवास के निकट तैनात किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ गांधी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को लोकसभा में हंगामा हुआ था। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली कि दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्य अशांति फैला सकते हैं जिसके बाद मध्य दिल्ली में कांग्रेस नेता के आवास के आसपास -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुत्व के भाव को पहचानें और एकजुट हों तो राष्ट्र की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता : भागवत

देहरादून (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत बुधवार को देवभूमि पर देश-दुनिया को धर्म, संस्कृति, सेवा, संवेदना, सद्भावना, बहुत कुछ सीखा गए और *वसुधैव कुटुम्बकम्* का भी संदेश दे गए। दरअसल, पूरी दुनिया की निगाहें इस समय भारत की ओर है और भारत विश्व गुरु की ओर बढ़ चला है। इन दिनों चाहे विश्व स्तर पर चल रही युद्ध हो या भारत के संसद का माहौल हो, मोहन भावगत एक-एक करके सबको आइना दिखा गए। संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज भारत की विश्व में प्रतिष्ठा बढ़ी है। आज कोई भारत पर बुरी नजर रखता है तो उसे घर में घुसकर मारा जाता है। हम सबके भीतर हिंदुत्व है, बस उसको पहचानने की आवश्यकता है। यह भाव संस्कृति, संस्कार वेशभूषा या किसी भी रूप में हो सकता है। यदि हम इस भाव के साथ एकजुट हो जाएं तो राष्ट्र की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बुधवार की -शेष पृष्ठ दो पर

बेटी के साथ दुष्कर्म

हाई कोर्ट ने पिता को सुनाई 101 साल की सजा

मल्लापुरम (केरल)। पाप, अति पाप और महापाप क्या है? रावण ने सीता का अपहरण किया, यह अति पाप है। इसका प्रयश्चित हो सकता है। लेकिन, उसने साधु वेश में एक महिला का अपहरण किया, यह महापाप है और शिव पार्वती संवाद के मुताबिक इसके लिए कोई क्षमा नहीं है। यह विश्वास को भंग करने का अपराध है। समाज या परिवार जिन पर आंख मूंदकर विश्वास करता हो, वे जब इस विश्वास का अनुचित लाभ उठाकर किसी बहू या बेटी पर हाथ डालें, तो उसकी सजा कठोर से कठोरतम है। केरल के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कनार्टक : भाजपा नेताओं ने सीएम आवास के घेराव की कोशिश की

बेंगलुरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बंगलूरू में मुख्यमंत्री के कार्यालय और आवास के घेराव करने की कोशिश की गई। लेकिन इस दौरान भाजपा नेताओं को रोक दिया गया और पुलिस की तरफ से सभी को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन में कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व मंत्री एस. सुनील कुमार, अरागा ज्ञानेंद्र, एस. सुरेश कुमार, सी. एन. अश्वथ नारायण और सी. टी. रवि समेत पार्टी नेताओं के साथ कई विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए थे। लेकिन भारी पुलिस बल तैनात होने के कारण भाजपा कार्यकर्ता अपने मुख्यमंत्री आवास तक नहीं पहुंच पाए और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस दौरान भाजपा ने आरोप लगाया है कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में करीब चार हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ जिनमें से एक लाभार्थी मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की पत्नी पार्वती है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि 180 करोड़ रुपये के महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले को राज्य सरकार की तरफ से छिपाने की कोशिश की गई है जिसके कारण एक लेखा अधीक्षक पी. चंद्रशेखरन को आत्महत्या करनी पड़ी। वहीं इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने हिरासत में लिए जाने से पहले पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार जारी है। मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसुरु में एमयूडीए घोटाला वाल्मीकि निगम में हुए घोटाले से कहीं बड़ा है। जबकि कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की कि सरकार को एमयूडीए घोटाले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जबकि भाजपा के आरोप पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा के सभी आरोप झूठा बताया और मामले की सीबीआई जांच की भाजपा की मांग को खारिज कर दिया। मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने पहले ही जांच के आदेश दे दिए हैं। भाजपा को ऐसी मांग करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। वे हमसे यह मामला सीबीआई को सौंपने के लिए क्यों कह रहे हैं, जबकि उन्होंने राज्य में अपने कार्यकाल के दौरान एक भी मामला जांच एजेंसी को नहीं सौंपा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जीका वायरस के मद्देनजर सभी राज्यों को जारी किया परामर्श

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने महाराष्ट्र में जीका वायरस के आठ मामलों की पुष्टि की है। जीका वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है, जिसमें वायरस पर निरंतर निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। चूंकि जीका वायरस प्रभावित गर्भवती महिला के भ्रूण में माइक्रोसेफली और न्यूरोलॉजिकल परिणामों से जुड़ा है, इसलिए राज्यों को करीबी निगरानी के लिए चिकित्सकों को सचेत करने की सलाह दी गई है। राज्यों से आग्रह किया गया है कि वे प्रभावित क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस संक्रमण की जांच कराएं। जीका वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली गर्भवती माताओं के भ्रूण के विकास की निगरानी रखी जाए और केंद्र सरकार के अनुसार कार्य किया जाए। राज्यों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अस्पताल परिसर को एडीज मच्छर मुक्त रखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। राज्यों को आवासीय क्षेत्रों, कार्यस्थलों, स्कूलों, निर्माण स्थलों, संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं में एंटोमोलॉजिकल निगरानी को मजबूत करने और वेक्टर नियंत्रण गतिविधियों को तेज करने के महत्व पर जोर दिया गया है। राज्यों से समुदाय के बीच डर को कम करने के लिए सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर एहतियाती आईईसी संदेशों के माध्यम से जागरूकता को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया गया है। उल्लेखनीय है कि जीका, डेंगू और चिकनगुनिया की तरह एक एडीज मच्छर जनित वायरल बीमारी है। यह एक गैर घातक बीमारी है। हालांकि, जीका प्रभावित गर्भवती महिलाओं से पैदा होने वाले शिशुओं में माइक्रोसेफली (सिर का आकार कम होना) से जुड़ा है जो एक बड़ी चिंता का विषय है। भारत ने 2016 में गुजरात राज्य से पहला जीका मामला दर्ज किया था। तब से, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और कर्नाटक जैसे कई अन्य राज्यों में इसके मामले सामने आए हैं। दो जुलाई तक महाराष्ट्र में पुणे (6), कोल्हापुर (1) और संगमनेर (1) से आठ मामले सामने आए हैं।

हेरोइन के साथ कई गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पलटन बजार पुलिस ने ड्रग्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान 24.47 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान रिजूल हुसैन (38) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से ड्रग्स के अलावा स्कूटी (एएस-01 एफजे-3751) और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उधर पुलिस ने नलबाड़ी शहर के एलएनबी रोड पर छापा मार कर दो लोगों को 59.89 ग्राम हेरोइन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों लोगों के पास से कई खाली शीशियां और 22,070 रुपए भी जब्त किए गए हैं।

बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की सोनपुर पुलिस ने बाइक चोरी मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बाइक चोरी मामले में खैरुल इस्लाम (19, मोरिगांव) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी की एक पल्सर बाइक (एएस-21एल-6310) बरामद किया गया है। पुलिस से संबंध में एक प्राथमिक दर्ज कर गिरफ्तार वाहन चोर से सघन पूछताछ कर रही है।

कम मतदान वाले पोलिंग स्टेशनों पर चलाया जाएगा जागरुकता अभियान

जींद (हिंस)। ऐसे पोलिंग स्टेशनों की लिस्ट बनाई गई है, जहां वोटिंग कम हुई थी। ऐसे पोलिंग स्टेशन पर जागरुकता अभियान चलाकर व अन्य गतिविधियों के द्वारा वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने लिए प्रचार अभियान की योजना तैयार की गई है। इन क्षेत्रों में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देशानुसार कार्य किया जाएगा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा ने बुधवार को बताया कि जिले में फोटो युक्त मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य चल रहा है। इस दौरान नए वोट बनवाने व जिन वोटरों की मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम काटे जाने की प्रक्रिया की जाएगी। उन्होंने ऐसे नागरिकों से वोट बनवाने का आह्वान किया जिनकी उम्र एक जुलाई 2024 को 18 वर्ष पूरी हो चुकी है। बीएलओ को भी निर्देश दिए कि डोर टू डोर सत्यापन कार्य के दौरान ऐसे पात्र नागरिकों की वोट बनाए जाएं। उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने एक जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त संशोधन का कार्यक्रम जारी किया है। कार्यक्रम के अनुसार 25 जून से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कार्य शुरू कर दिया गया है। यह अभियान 24 जुलाई तक चलेगा व 25 जुलाई को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा। उपायुक्त ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान के तहत बीएलओ का सहयोग करते हुए सही जानकारी उपलब्ध करवाकर उनका सहयोग करते हुए सत्यापन का कार्य करवाएं। उन्होंने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर निर्धारित प्रोफार्मा के अनुसार मतदाताओं के बारे में जानकारी एकत्रित करेंगे। त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वह अपना फार्म भरकर संबंधित बीएलओ को दे सकते हैं, ताकि उनका नाम भी मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

नदी में डूबकर एक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। मंगलदै नदी के बाढ़ के पानी में बहकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार प्रफुल्ल नगर के लालचंद चौहान और जपसिया चौधरी बुधवार सुबह मंगलदै नदी में स्नान करने गए थे। नहाते के दौरान दोनों में नदी पार करने की छह सौ रुपए की शर्त लगी थी। नहाने के दौरान 40 वर्षीय लालचंद चौहान नदी में बह गया। सूचना पर एसडीआरएफ के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर दो घंटे बाद लालचंद का शव बरामद कर लिया।

पृष्ठ एक का शेष

भौगोलिक परिस्थितियों के ...

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि असम में बाढ़ की स्थिति भयानक है, लेकिन हमारा प्रशासनिक तंत्र इन कठिन समय में पूरी तरह से लोगों के साथ खड़ा है। हमने इस मुश्किल घड़ी से निपटने की पूरी कोशिशें की है। हमें विश्वास है कि यह समस्या बहुत कम समय में दूर हो जाएगी। भारी वर्षा होने की वजह से असम में बाढ़ की समस्या गंभीर हुई है, लेकिन अगले कुछ दिनों में परिस्थिति में सुधार होगा। इस कठिन समय में हमारा पूरा प्रशासन लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सुबह कामरूप में राज्यव्यापी बाढ़ के मद्देनजर गरल, भट्टपारा और रानी चापरी के लोगों की स्थिति को लेकर पूछताछ की है। ऐसे कठिन समय में लोगों को सभी आवश्यक मदद पहुंचाने के लिए स्थानीय प्रशासन का निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गरल भट्टापारा के हालातों की समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने खाना नदी पर बने धारापुर जंगराबाड़ी फाटक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि बाढ़ की वजह से क्षतिग्रस्त हुए तटबंधों और सड़कों का पुनर्निमाण कराया जाएगा। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित लोगों के शिविरों में भोजन और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। सीएम शर्मा ने अधिकारियों के साथ नाव में सवार होकर बाढ़ के हालातों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गुरुवार को वे माजुली का दौरा करेंगे। दरअसल, माजुली में भारी बाढ़ की वजह से तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया और इस वजह से एक विशाल क्षेत्र जलमग्न हो गया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ प्रभावित जिलों में अब बारिश का असर कम दिख रहा है। अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो हालात सुधर सकते हैं। उधर असम के नगांव जिले में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। करीब 30,000 लोग अब तक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के बाढ़ के पानी से हातिमुरा तटबंध का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से टूट गया। इसके कारण मध्य असम जिले के कोलियाबर इलाके में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। कोलियाबर उप-मंडल क्षेत्र में बाढ़ से 25 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं। बता दें कि बाढ़ के पानी ने 1099.5 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को जलमग्न कर दिया है। कई लोग अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं और अब बाढ़ के पानी के कारण सड़कों और ऊंची जगहों पर शरण ले रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बाढ़ के कारण उन्हें बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और कई बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन और पीने के पानी की भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की तैयारियों का आकलन करने सहित राज्य में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शर्मा ने हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि हम राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। आश्रय, स्वास्थ्य जांच और पर्याप्त भोजन आदि की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मुझे आश्वासन दिया है कि यदि कोई आवश्यकता होगी, तो केंद्र सरकार तत्काल मदद करेगी।

चंपई सोरेन का ...

यह तीसरी बार है जब हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वह झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री होंगे, जो 2000 में बिहार से अलग होकर बना था। चंपई सोरेन को यूपीए समन्वय समिति के अध्यक्ष और जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर नई जिम्मेदारी देने की भी चर्चा चल रही है। इंडिया ब्लॉक की बैठक में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के अलावा हेमंत सोरेन के भाई बसंत और पत्नी कल्पना भी शामिल हुए। इस बीच, भाजपा के आक्रामक होने की कहानी तय करते हुए, सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि झारखंड में चंपई सोरेन युग खत्म हो गया है। उन्होंने आगे लिखा कि परिवारवादी पार्टी में परिवार के बाहर के लोगों का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। काश आंदोलनकारी मुख्यमंत्री बिरसा भगवान से प्रेरित होकर भ्रष्टाचारी हेमंत सोरेन जी के खिलाफ खड़े हो पाते? असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि झारखंड में झामुमो एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा एक वरिष्ठ आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाना अत्यंत दुखद है। मुझे यकीन है कि झारखंड की जनता इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करेगी और इसे दृढ़ता से खारिज करेगी।

वरिष्ठ आदिवासी नेता...

से गद्दी पर बैठने के लिए बेकरार हो उठे। पिछ्ले पांच सालों झारखंड को शर्मशार करने की कोई भी कसर हेमंत सोरेन ने नहीं छोड़ी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री आवास में बुधवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, सत्ता पक्ष के विधायकों और कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की उपस्थिति में हुई बैठक में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने पर सहमति बनी। इसके साथ हेमंत सोरेन राज्य में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालेंगे।

पांडू के कई इलाके ...

हिरण को देखने के लिए सुबह से ही पांडू नद तट पर इलाके में लोगों की भीड़ उमड पड़ी। इलाके के निवासियों ने शिकायत की कि पांडूनाथ देवालय के पास स्लुईस गेट के ऊपर से पानी बहने के कारण नाले से पानी पांडू इलाके में प्रवेश कर रहा है। स्लुईस गेट के निर्माण में त्रुटियों के कारण पांडू के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। इसके अलावा पांडू पुरान बाजार इलाके में करीब सौ घर हैं। इस इलाके में एक हाईड्रेन है। इलाके के निवासियों ने अपने घरों का सारा कचरा इन हाइड्रेन में फेंक देते हैं, जिससे हाइड्रेन अवरुद्ध हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप थोड़ी सी बरसात में ही इलाके में जलभराव हो जाता है। बुधवार सुबह से इलाके के पार्षद ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा किया और सरकार को रिपोर्ट भेजकर बाढ़ग्रस्त इलाकों में जल्द से जल्द विशेष उपाय करने का अनुरोध किया।

संविधान की रक्षा ...

हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में होने का मुद्दा उठाए जाने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शराब घोटाला में लिप्त आप पार्टी को कांग्रेस पार्टी ही कोर्ट में लेकर गई थी। कांग्रेस ने प्रेस कांफ्रेंस करके शराब घोटाले में आप के खिलाफ सूबत दिए थे। कांग्रेस बताए कि क्या वह प्रेस कांफ्रेंस झूठी थी। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला करे *आप*, भ्रष्टाचार करे आप, बच्चों के क्लासरूम बनाने में घोटाला करे आप, पानी तक में घोटाला करे आप, आप की शिकायत करे कांग्रेस, आप को कोर्ट तक घसीट कर ले जाए कांग्रेस और कार्रवाई हो तो गाली दें मोदी को। उच्च सदन में उन्होंने आज मणिपुर के मुद्दे पर भी जवाब दिया। कल विपक्ष ने मणिपुर के दूसरे सांसद को बोलने न देने का मुद्दा बनाकर उनके लोकसभा में भाषण के दौरान हंगामा किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर में जातीय हिंसा के पहले भी मामले आए हैं। वहां सामाजिक संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। इस संघर्ष की मानसिकता की जड़ें बहुत गहरी हैं। कांग्रेस के लोगों को ये नही भूलना चाहिए कि इन्हीं हालातों की वजह से इस छोटे से राज्य में 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा है। ये हमारे कार्यकाल में नहीं हुआ है। कुछ तो वजह होगी। फिर भी राजनीतिक फायदा उठाने के लिए वहां हरकतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जो भी तत्व मणिपुर की आग में घी डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें आगाह करना चाहता हूं कि ये हरकतें बंद करें। एक समय आएगा जब मणिपुर ही रिजेक्ट करेगा उन लोगों को। वर्तमान में हुई हिंसाओं पर करीब 11 हजार मामले दर्ज किए गए हैं। 500 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। धीरे-धीरे इन हिंसाओं में कमी आ रही है। मणिपुर में भी स्कूल-कॉलेज संस्थान खुले हुए हैं। परीक्षाएं हो रही हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार सभी से बातचीत करके सौहार्द का रास्ता खोलने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पूर्वोत्तर में स्थाई शांति के प्रयास किए हैं। उनकी चर्चा कम होती है, लेकिन परिणाम व्यापक आए हैं। राज्यों के बीच सीमा विवाद आजादी के बाद से ये निरंतर चलता रहा है। हम राज्यों के साथ इसे हल करते जा रहे हैं। हिंसा से जुड़े संगठन, हथियारबंद गिरोह के साथ आज स्थायी समझौते हो रहे हैं। जिनके खिलाफ गंभीर मामले हैं, वे अदालत में जाने के लिए तैयार हो रहे हैं। न्यायतंत्र में भरोसा बढ़ना महत्वपूर्ण बात है। राज्य सभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने जवाब के दौरान विपक्ष के वाकआउट करने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती। जिनका सत्य से मुकाबला करने के हौसले नहीं, बैठकर इतनी चर्चा करने के बाद उनके जवाब सुनने की ताकत नहीं है। ये उच्च सदन को अपमानित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गृहमंत्री वहां जाकर कई दिन रहे हैं। अधिकारी भी लगातार जा रहे हैं। समस्या के समाधान के लिए हर प्रकार से प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने पेपर लीक के मुद्दे पर एक बार फिर युवाओं को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि वे भारत के युवाओं को आश्वस्त करते हैं कि नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा मिलेगी। इसके लिए एक्शन लिए जा रहे हैं। हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत है। किसानों की कर्जमाफी के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में 10 साल में एक बार किसानों की कर्जमाफी हुई और 60 हजार करोड़ की कर्जमाफी का इतना हल्ला मचाया गया। उसके लाभार्थी सिर्फ तीन करोड़ किसान थे। इसमें गरीब किसानों का नामों निशान नहीं था। वहीं हमारी सरकार की योजना का लाभ 10 करोड़ किसानों को हुआ है। तीन लाख करोड़ हम किसानों को दे चुके हैं।

हमें राज्य सरकार...

तक एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साथ ही राज्य सरकार को कहा है कि कैदी के इलाज समेत उसके आने-जाने के खर्च का भी वहन करें। उल्लेखनीय है कि हाओकिप के वकील ने दावा किया कि बार-बार के आग्रह के बावजूद भी जेल में बंद हाओकिप को चिकित्सकीय सहायता नहीं दी गई है।

संविधान पर पक्ष ...

कहना उनकी आदत है। मैंने उनसे सिर्फ इतना पूछा कि उन्होंने संविधान नहीं बनाया और वे इसके खिलाफ थे। मैं बस यह स्पष्ट करना चाहता था कि कौन संविधान के पक्ष में था और कौन इसके खिलाफ था। राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर कांग्रेस नेता और राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री गलत तथ्य पेश कर रहे थे, गलत जानकारी दे रहे थे, तो विपक्ष के नेता कुछ सही तथ्य पेश करने के लिए, सच्ची जानकारी देने के लिए खड़े हुए। विपक्ष ने तथ्यों, आंकड़ों और किताबों के साथ बार-बार कोशिश की, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला, इसलिए जब सदन के सामने सच नहीं आने दिया जा रहा था और झूठ बोला जा रहा था, तो विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में पूरा विपक्ष वॉकआउट कर गया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने की अनुमति नहीं देना संसद और संविधान के मानदंडों का अपमान है। उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई इसलिए, हम बाहर चले गए।

असामाजिक तत्वों ने ...

घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दावा किया कि उनके कार्यक्रम स्थल से निकलने के काफी देर बाद अराजकता फैल गई। गॉडमैन ने भगदड़ के लिए असामाजिक तत्वों को भी दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान चली गई। नारायण सरकार हरि द्वारा जारी बाद में कहा गया कि मैं/हम मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रभु/परमात्मा (भगवान) से प्रार्थना करते हैं। उन्होंने दावा किया कि दावा किया कि असामाजिक तत्वों द्वारा भगदड़ मचाई गई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाबा ने यह भी दावा किया कि मैं 2 जुलाई को गांव फुलारी, सिकंदराराऊ, हाथरस आयोजित सत्संग से काफी समय पहले ही निकल चुका था। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मंगलवार को एक धार्मिक सभा में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं, क्योंकि श्रद्धालुओं की दम घुटने से मौत हो गई और शव एक-दूसरे के ऊपर ढेर हो गए। इस बीच, एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के नेतृत्व वाली प्रारंभिक जांच में कहा गया है कि भगवान की सुरक्षा और *फिसलन भरी ढलान* द्वारा भक्तों को धक्का दिए जाने के बाद भगदड़ मची थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में एक सत्संग के बाद हुई भगदड़ की घटना में साजिश की आशंका जाहिर करते हुए इसकी न्यायिक जांच कराने का बुधवार को ऐलान किया। उन्होंने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है...इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसमें प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा ताकि इस घटना की तह में जाया जा सके और जो भी इसके लिए दोषी होगा उन्हें सजा दी जाएगी।

केजरीवाल की न्यायिक...

की मांग करने वाली अरविंद केजरीवाल की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। अरविंद केजरीवाल के वकील रजत भारद्वाज ने जमानत याचिका कल सुनवाई करने की मांग करते हुए कहा कि आवेदक को अवैध हिरासत में लिया गया था। हमने याचिका दायर कर दी है। कोर्ट ने कहा कि हम मामले पर शुक्रवार को सुनवाई करेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में जमानत मांगने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। केजरीवाल की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रजत भारद्वाज ने कहा कि आवेदक को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना अवैध हिरासत में लिया गया था और उन्होंने जमानत याचिका दायर की है। जब वकील ने गुरुवार को सुनवाई के लिए याचिका तय करने पर जोर दिया, तो न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि न्यायाधीश को कागजात देखने दें। हम इसे अगले दिन सुनेंगे। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से अरेस्ट किया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई की चुनौती देने वाली उनकी याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। अदालत ने नोटिस जारी कर सीबीआई को जवाब दाखिल करने को कहा था और मामले को 17 जुलाई को बहस के लिए सूचीबद्ध किया था।

राहुल गांधी के ...

सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पुलिस को संदेह है कि लोग तख्तियां या होर्डिंग लेकर उनके घर के बाहर इकट्ठा हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय पुलिस को 24 घंटे गांधी के आवास के आसपास निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। गांधी को जेड प्लस की सुरक्षा प्राप्त है। बुधवार को भाजपा की दिल्ली इकाई के नेताओं ने पार्टी के विरूद्ध गांधी की टिप्पणियों को लेकर यहां विरोध प्रदर्शन किया था और उनसे माफी की मांग की थी। प्रदर्शनकारी जैसलमेर हाउस के पास इकट्ठा हुए थे और उन्होंने गांधी एवं उनकी पार्टी के विरूद्ध नारेबाजी करते हुए अकबर रोड पर स्थित कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की थी। मध्य दिल्ली में 27 जून को एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के आवास के बाहर कुछ लोगों ने पोस्टर चिपकाए थे, जिसमें लोकसभा में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उनके द्वारा लगाए गए नारे को लेकर उन्हें लोकसभा से निलंबित करने की मांग की गई थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की है।

हिंदुत्व के भाव को ...

शाम भाऊराव देवरस सेवा न्यास की ओर से निर्मित माधव *सेवा विश्राम सदन* का लोकार्पण करने योग और अध्यात्म नगरी ऋषिकेश आए थे। सेवा परमो धर्म: को चरितार्थ करने वाला यह माधव सेवा विश्राम सदन न केवल वास्तुशिल्प का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि सेवा और सद्भावना का प्रतीक भी है। इस भव्य भवन का निर्माण पारंपरिक भारतीय स्थापत्य कला के अनुरूप किया गया है, जो इसकी विशेषता को और बढ़ाता है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि मार्ग दो बिंदुओं के बीच होता है। एक आदमी कहां है और वहां से उसने कहां जाना तय किया है, ये निश्चित होने के बाद ही मार्ग तय होता है। उन्होंने कहा कि ये सेवा कार्य है और सेवा कार्य इसलिए होता है क्योंकि हमारे यहां जीवन का दिखने वाला राज यही माना गया है। एकांत में आत्म साधना और लोकांत में परोपकार है। ये मनुष्य के जीवन की परिभाषा परंपरा से चलती आई है और जिसका जीवन ऐसा है, वो दिखने में कैसा भी हो उसके पास पैसा भी या नहीं हो, किसी पद को उसने प्राप्त किया या नहीं किया हो। हम अपने बच्चों को उसी की कहानियां बताते हैं। बहुत से लोग ऐसा होने का प्रयास करते हैं तो बहुत से लोग नहीं भी करते हैं, लेकिन सब लोग उन्हीं की कहानियां बताते हैं। जैसे स्वामी विवेकानंद के पास एक ढेला नहीं था। उन्होंने कमाया कुछ नहीं, घर में दारिद्र था, उस दारिद्रता की अवस्था में उनकी माता के लिए खेतड़ी के राजा साहब सौ रुपए मनीऑर्डर भेजते थे तब उनका और उनके भाइयों का निर्वाह चलता था। विवेकानंद ने कुछ नहीं कमाया। ग्राम पंचायत में भी चुनकर नहीं आए कभी। कोई सत्ता स्थान नहीं मिला। सर्वधर्म परिषद के लिए शिकागो गए तो उस वक्त पहुंचने के बाद कुछ नहीं था पास में तो जहाज में लोड होने के लिए खोखे पड़े थे लकड़ी के कारबोट के, उसमें एक रात उनको गुजारनी पड़ी। उस समय तो अप्रसिद्ध थे बिल्कुल और किसी ने देखा नहीं वो पीढ़ी चली गई। भ्रमण के दौरान तो वे ऋषिकेश आए थे, लेकिन पौने सात लाख स्थान भारत के माने जाते नगर ग्रामों को मिलाकर उसमें कितने जगह वे स्वयं गए थे मालूम नहीं। रिश्ते में हमारे कुछ लगते नहीं, लेकिन स्वामी विवेकानंद का नाम भारत ही नहीं, दुनिया भर के लोग जानते हैं।

हाई कोर्ट ने ...

मल्लापुरम में एक विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने मोहम्मद एच को अपनी नाबालिग बेटी के साथ बलात्कार करने के लिए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉस्को अधिनियम), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), और किशोर न्याय अधिनियम (जेजे अधिनियम) के विभिन्न प्रावधानों के तहत 101 साल की जेल और आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पिछले हफ्ते, अदालत ने 43 वर्षीय व्यक्ति को सजा सुनाते हुए लड़की पर अपराध के आजीवन प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। जज ने कहा कि आरोपी नाबालिग का पिता होने के नाते उसकी रक्षा करने के लिए बाध्य है और उसने उसके साथ जघन्य अपराध किया है। यह उसके बचपन से शुरू हुआ और 16 साल की उम्र में उसके गर्भवती होने तक जारी रहा। इसे सामान्य यौन अपराधों से नहीं जोड़ा जा सकता। हालांकि आरोपी शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार से आता है, फिर भी वह किसी दया का पात्र नहीं है। आदमी ने अपनी बेटी का यौन उत्पीड़न तब शुरू किया जब वह 10 साल की थी और जब वह 12 साल की हो गई, तो जब उसकी मां सो रही थी या घर पर नहीं थी, तब उसके साथ बलात्कार करके उसे गंभीर यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया। जब वह 16 साल की थी, तब लड़की गर्भवती हो गई, जिसके बाद उसके पिता उसे अस्पताल ले गया। अस्पताल में जांच में पता चला कि वह तीन माह की गर्भवती है। हालांकि उस व्यक्ति ने अपनी बेटी से कहा कि वह इस बारे में किसी को न बताए, लेकिन पुलिस ने अस्पताल में उसका बयान लिया। फिर उसे मंजेरी में एक बाल गृह में ले जाया गया। नाबालिग पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के सामने अपना बयान दिया और जज के सामने सबूत पेश किए गए। भ्रूण के साथ डीएनए नमूने प्रस्तुत किए गए, जिससे पुष्टि हुई कि मुहम्मद एच. भ्रूण का जैविक पिता था। नाबालिग पीड़िता की मां के बयान में उसके पिता और दादा पर भी गर्भधारण का आरोप लगाया गया है। परिवार के अन्य सदस्यों ने आरोपियों के खिलाफ गवाही दी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि पीड़िता एक अनाथालय में रह रही थी जहां वह पढ़ती थी और कभी-कभार ही घर आती थी। उन्होंने तर्क दिया कि लक्षणों की शिकायत के बाद पिता खुद लड़की को अस्पताल ले गए। इसके अतिरिक्त, बचाव पक्ष ने कहा कि पीड़िता ने अपने दादा पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और वह एक लड़के के साथ भाग गई थी, जिसके खिलाफ पॉस्को मामला दर्ज किया गया था, जिससे पता चलता है कि उसकी गर्भावस्था का समय उसके भागने के साथ मेल खाता था। हालांकि, लड़की ने कहा कि वह घर पर लगातार दुर्व्यवहार के कारण भाग गई।

रास अनिश्चितकाल के...

धनखड़ ने हाथरस में हुए हादसे पर शोक जताते हुए घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की। राज्यसभा में मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए मौन रखा गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान आज विपक्ष ने हंगामा किया और वाकआटक किया। इसे सभापति ने संविधान का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि संविधान को जीने की जरूरत है, जेब में रखने की नहीं। प्रधानमंत्री ने आज अपने वक्तव्य में विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष को घेरा, कई मुद्दों पर जवाब दिया और अपनी सरकार का विजन रखा।मानती है, उसका उसके पूरे भविष्य के जीवन पर भारी प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे अपराधों का समग्र समाज पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार किया जाना चाहिए।

बिहार में एक ...

नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार जनता बाजार में दो समानांतर पुल बने हुए हैं। दोनों पुल काफी पुराने हैं। इनमें से ही एक पुल बुधवार को बारिश के दौरान भरभरा कर गिर पड़ा। इस पुल से बड़ी संख्या में लोग बाबा ढूंढ नाथ मंदिर में दर्शन के लिए आवाजाही करते हैं। घटना के वक्त पुल पर आवाजाही बंद था। पुल गिरने की घटना की खबर मिलते ही स्थानीय जनता बाजार थाना की पुलिस, प्रखंड विकास पदाधिकारी लहलादपुर और अन्य वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों के निर्देश पर पुल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

सोनोवाल ने बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री का शीघ्र वितरण करने का निर्देश दिया

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और बाढ़ प्रभावित लोगों के लाभ के लिए सरकार द्वारा किए गए राहत कार्यों की समीक्षा की। सोनोवाल ने ग्राहम बाजार, एटी रोड, एचएस रोड, आरकेबी पथ, मनकोटा रोड, थाना चारियाली, झालुकपारा सहित डिब्रूगढ़ शहर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। सोनोवाल ने तेंगाखाट और हातिबंधा में तटबंध स्थलों का भी दौरा किया और उनकी समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज तेंगाखाट में बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत शिविर का भी दौरा किया। सोनोवाल ने बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों की स्थिति का आकलन किया, उनसे बातचीत की और भौतिक क्षति का आकलन किया। सोनोवाल ने जिला आयुक्त को आश्रय शिविरों में साफ-सफाई बनाए रखने और बीमारी के प्रकोप को रोकने के उपायों को लागू करने का निर्देश दिया। सोनोवाल ने यह भी निर्देश दिया कि शिविरों में चिकित्सा उपचार प्रदान किया जाए और बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने

अधिकारियों को बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के लिए सभी आवश्यक उपायों में तेजी लाने और राहत और बचाव कार्यों को तेज करने का भी निर्देश दिया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना ने डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के भीतर विभिन्न स्थानों पर राहत और बचाव अभियान चलाने के लिए जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम किया है। स्थिति पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री, सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि डिब्रूगढ़, तिनसुकिया के साथ-साथ असम के कई अन्य हिस्सों में बाढ़ की स्थिति खराब हो रही है। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी स्थिति पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है और इस पर नियमित अपडेट ले रहे हैं। केंद्र और राज्य दोनों सरकारें इस प्राकृतिक आपदा से लड़ने और बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए एक साथ आई हैं। सरकार इस बाढ़ में लोगों द्वारा सामग्री के नुकसान के लिए वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए भी कदम उठाएगी। मैंने अधिकारियों को तटबंधों की मरम्मत और निर्माण के लिए तत्काल उपाय करने का भी निर्देश दिया है। इस अवसर पर असम पर्यटन विकास निगम (एटीडीसी) की अध्यक्ष रितुपर्णा बरुआ, जिला आयुक्त बिक्रम कैरी, आईएएस, डिब्रूगढ़ नगर निगम (डीएमसी) के महापौर सैकत पात्रा, डीएमसी के उप महापौर एवं डिब्रूगढ़ भाजपा के जिला अध्यक्ष उज्ज्वल कश्यप आदि उपस्थित थे।

करीमगंज में सामूहिक बलात्कार के मामले में पांच गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में मानसिक रूप से बीमार एक महिला से कथित सामूहिक बलात्कार के मामले में पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित महिला मानसिक रूप से बीमार थी। पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास की त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना सोमवार की रात को हुई थी, जब कायस्थग्राम में मानसिक रूप से बीमार इलाके में सड़क पर घूम रही एक महिला को जबरन ऑटोरिक्शा में ले जाया गया और उसके साथ क्रूरता पूर्वक दुष्कर्म किया गया। अपराध की सूचना मिलने पर एसपी दास ने तत्काल जांच के आदेश दिए, जिसके परिणामस्वरूप फखर मिया, अब्दुल मुस्ताक, शमीम उद्दीन, रियाज उद्दीन और प्रणेश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपितों ने पूछताछ के दौरान अपने कृत्य को कबूल कर लिया। पुलिस ने दर्ज प्राथमिकी के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। लोगों ने आरोपितों को सख्त सजा देने की मांग की है।

असम के पुलिस प्रशासन में फेरबदल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने बुधवार को पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया है। सरकार ने तबुराम पेगू को डिमा हसाओ का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया है। सरकार के आदेश के अनुसार सुशांत बिस्व सरमा को उदालगुड़ी का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही अक्षत गर्ग को चिरांग का नया पुलिस अधीक्षक और रिपुंजॉय काकती को लखीमपुर जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्ति किया गया है। अपर्णा नटराजन को डीजीपी कार्यालय की विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह अलिंदिता गोगोई का तबादला कर उन्हें एआईजीपी खेल के पद पर तैनात किया गया है। पैट्रिक रोंगहांग को 14वीं असम पुलिस बटालियन दौलासाल का कमांडेंट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 14वीं असम पुलिस बटालियन के सौरव सैकिया को देरगांव के कमांडेंट, मयंक कुमार झा का तबादला कर उन्हें बरपेटा जिला पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है। पुष्किन जैन को एंटी करप्शन एंड मॉनिटरिंग सेल का एसपी नियुक्त किया गया है। इसी तरह वेदांत माधव राजखोवा को भ्रष्टाचार निरोधक एवं निगरानी प्रकोष्ठ के एसपी तथा पंकज यादव को साइबर क्राइम का एसपी नियुक्त किया गया है।

सेवानिवृत्त अरबी शिक्षक मौलाना अयनाल हक का निधन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा (पूर्वी बागबर) निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत निसानरचर गांव के निवासी वकील अब्दुल मन्नान के पिता और शिमलिटोला एमई मदरसे के सेवानिवृत्त अरबी शिक्षक मौलाना अयनाल हक (90) का कल रात निधन हो गया। मालूम हो कि वह एक इस्लामी विद्वान थे। उन्होंने नवागत शिम्लिटोला एमई मदरसा में एक अरबी शिक्षक के रूप में अपना करियर शुरू किया और बाद में 2002 में उसी स्कूल से सेवानिवृत्त हुए। एक आदर्श शिक्षक के साथ-साथ, वह ग्रेटर निसानरचर क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और शैक्षणिक संस्थानों में भी शामिल थे। अपनी मृत्यु के समय, वह अपनी पत्नी, पांच बेटियों और तीन बेटों और रिश्तेदारों के एक मेजबान के पीछे छोड़ गया।

मणिपुर विश्वविद्यालय ने बाढ़ के चलते परीक्षाएं कीं स्थगित

इंफाल (हिंस)। राज्य में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए मणिपुर विश्वविद्यालय ने चल रही सभी सेमेस्टरों की परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी दी है। मणिपुर विश्वविद्यालय ने बाढ़ की खराब स्थिति को लेकर छात्रों और कर्मचारियों के लिए गहरी चिंता व्यक्त की। विश्वविद्यालय ने अपनी अधिसूचना में कहा कि सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि राज्य में वर्तमान गंभीर बाढ़ की स्थिति के कारण मणिपुर विश्वविद्यालय के तहत चल रही सभी सेमेस्टर परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बाढ़ की स्थिति में सुधार होने के बाद परीक्षा की नई तिथियां निर्धारित की जाएंगी और सभी को सूचित किया जाएगा। छात्रों और संकाय सदस्यों से परीक्षाओं के पुनर्निर्धारण के संबंध में नवीनतम घटनाक्रमों से अपडेट रहने का आग्रह किया जाता है।

पूसीरे ने ट्रेनों में स्थायी रूप से कोचों की संख्या बढ़ाई

गुवाहाटी (हिंस)। बढ़ती मांग को पूरा करने और ट्रेन यात्रा के दौरान अधिक यात्रियों को समायोजित करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने मौजूदा छह ट्रेनों में अतिरिक्त जनरल सिटिंग कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। इस पहल से इस गर्मी में भीड़ के दौरान अधिक यात्रा क्षमता वाले ट्रेन यात्रियों की सुविधा की उम्मीद है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि अतिरिक्त कोचों की वृद्धि से युक्त ट्रेनों में मुख्य रूप से ट्रेन संख्या 05636/05635 (गुवाहाटी-श्री गंगानगर-गुवाहाटी) स्पेशल में स्थायी रूप से अतिरिक्त 04 (चार) जनरल सिटिंग कोच बढ़ाए गए हैं, जो 3 जुलाई से गुवाहाटी स्टेशन और 7 जुलाई से श्री गंगानगर स्टेशन से प्रस्थान करेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 05952/05951 (न्यू तिनसुकिया-एसएमवीटी बेंगलुरु-न्यू तिनसुकिया) स्पेशल में स्थायी रूप से अतिरिक्त 02 (दो) जनरल सिटिंग कोच बढ़ाए गए हैं, जो 4 जुलाई से न्यू तिनसुकिया स्टेशन और 8 जुलाई से एसएमवीटी बेंगलुरू स्टेशन से प्रस्थान करेगी। जबकि, ट्रेन संख्या 15962/15961

(डिब्रूगढ़-हावड़ा-डिब्रूगढ़) में स्थायी रूप से अतिरिक्त 01 (एक) जनरल सिटिंग कोच बढ़ाए गए है, जो 5 जुलाई से डिब्रूगढ़ और 6 जुलाई से हावड़ा से रवाना होगी। ट्रेन संख्या 15960/15959 (डिब्रूगढ़-हावड़ा-डिब्रूगढ़) में स्थायी रूप से अतिरिक्त 01 (एक) जनरल सिटिंग कोच बढ़ाए गए हैं, जो 5 जुलाई से डिब्रूगढ़ और 7 जुलाई से हावड़ा से रवाना होगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 15626/15625 (अगरतला-देवघर-अगरतला) में स्थायी रूप से अतिरिक्त 01 (एक) जनरल सिटिंग कोच बढ़ाए गए है, जो 6 जुलाई से अगरतला और 8 जुलाई से देवघर से रवाना होगी। ट्रेन संख्या 05628/05627 (अगरतला-गुवाहाटी-अगरतला) स्पेशल में स्थायी रूप से अतिरिक्त 01 (एक) जनरल सिटिंग कोच बढ़ाए गए है, जो 4 जुलाई से अगरतला और 5 जुलाई से गुवाहाटी से रवाना होगी।

बाघ के हमले में तीन लोग घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के डुमडुमिया इलाके में जंगल से निकलकर रिहायसी इलाके में घुसे एक बंगाल टाइगर द्वारा किए गए हमले में तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार जिले के डुमडुमिया के जेडनी इलाके में बुधवार की सुबह एक रॉयल बंगाल टाइगर को देखा गया। इसके बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई। टाइगर द्वारा किए गए हमले में तीन लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग और पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम पशु चिकित्सकों की टीम की मदद से बाघ को पकड़ने की पूरी कोशिश कर रही है।

मायुमं, नगांव शाखा ने मनाया सीए और डाक्टर्स दिवस

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा ने सोमवार को सीए दिवस और डॉक्टर दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समर्पित पेशेवरों के योगदान को सम्मानित करना था। सीए दिवस के अवसर पर, नगांव के वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट दिलीप बगरिया को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया गया। उन्हें फुलाम गमोछा, मान पत्र और इनडोर पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया और उनकी सेवाओं की सराहना की गई। इसके अतिरिक्त, नगांव शाखा के सलाहकार सीए कैलाश खेतान से भी मुलाकात की और उन्हें सीए दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर सीए समुदाय के योगदान को रेखांकित किया गया। जो देश की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर दिवस के उपलक्ष्य पर मंच की टीम ने नगांव के प्रतिष्ठित डॉक्टर डॉ. पुलक पॉल और डॉ. प्रतिभा चौहान पॉल को उनके चेम्बर में जाकर सम्मानित किया। उन्हें भी फुलाम गमोछा, मान पत्र और इनडोर पौधा

भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके निस्वार्थ सेवा की सराहना की गई। डॉ. पुलक और डॉ. प्रतिभा युवा मंच नगांव शाखा के नेत्रदान प्रकल्प से जुड़े हुए हैं और निस्वार्थ भाव से नेत्रदान कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनकी मानवीय सेवा को सम्मानित करते हुए मंच ने उनके कार्यों की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मनीष गाड़ोदिया,सचिव रजत केजरीवाल, विनित मोर, यश अग्रवाल और चाहत पोद्दार के साथ मंच के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर मंच ने समाज में सकारात्मक संदेश देने और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज में सुधार लाने के अपने संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम ने समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने और सामूहिक रूप से उनके योगदान को मान्यता देने का काम किया। यह आयोजन न केवल सम्मानित व्यक्तियों के लिए प्रेरणा का स्रोत था, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण मंच ने प्रस्तुत किया है। मारवाड़ी युवा मंच की यह पहल समाज में एकता और समर्पण की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्वनाथ जिलाधिकारी डॉ. नेहा यादव ने बाढ़ पीड़ित इलाकों का किया दौरा

विश्वनाथ (विभास)। भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी एवं विश्वनाथ जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव ने आज विश्वनाथ जिला अंतर्गत गोहपुर व ब्रह्मपुत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया और बाढ़ की स्थिति को समझा। जिला आयुक्त महोदय ने हेलम राजस्व मंडल के अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और वर्तमान स्थिति को समझा। जिला आयुक्त डॉ. नेहा यादव ने हेलम राजस्व मंडल अंतर्गत डाठकला बाजार गृह परिसर में आश्रय शिविर का दौरा किया और संबंधित विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बाढ़ प्रभावितों के बीच राहत सामग्री का उचित वितरण

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दूसरी तरफ जिला आयुक्त प्रथम जुलाई, 2024 से लापता होकर अंत मृत्यु हुए हेलम राजस्व मंडल अंतर्गत बकरी दलोनी निवासी स्वर्गीय सुनील प्रधान (21) के शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और जल्द से जल्द सरकारी राहत प्रदान की। जिला आयुक्त महोदय के इस दौरे के दौरान हेलम राजस्व मंडल के सर्कल अधिकारी त्रिलीना टाइड और संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

खांडल विप्र महासभा, गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष बने शिव भगवान नोहाल

श्री राम पीपलवा को मंत्री एवम अजीत मंगलहारा को कोषाध्यक्ष का प्रभार

गुवाहाटी। खांडल विप्र परिषद (अंतर्गत अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा, पुष्कर) गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष पद के लिए घोषित चुनाव दिनांक 30.06.2024 को होने वाले थे, उसके लिए शिव भगवान नोहाल, लक्ष्मीपत माटोलिया एवं श्रीराम पीपलवा के नामांकन पत्र जांच के पश्चात सही पाए गए। उपरोक्त तीनों सदस्यों ने आपसी सहमति एवं समाज हित मैं यह निर्णय लिया कि मतदान प्रक्रिया नहीं करवाई जाये और आपसी सहमति से श्री शिव भगवान नोहाल को अध्यक्ष, श्रीराम पीपलवा को मंत्री(सचिव) और अजीत मंगलहारा को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। खांडल विप्र परिषद गुवाहाटी शाखा (अंतर्गत महासभा) का शपथ विधि समारोह आगामी 21 जुलाई वार रविवार (गुरू पूर्णिमा के दिन) को शाम 4 बजे से परशुराम सेवा सदन छत्री बाड़ी गुवाहाटी मैं किया जाएगा। पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा ने इस आशय की जानकारी विज्ञप्ति जारी कर दी।

आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 105वें जन्मदिवस का आयोजन

गुवाहाटी। आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री प्रशांत कुमारजी, मुनि श्री कुमुद कुमारजी के सान्निध्य में आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 105वें जन्म दिवस का आयोजन हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री प्रशांत कुमारजी ने कहा-आचार्य श्री महाप्रज्ञजी एक महान अध्यात्म योगी संत थे। वर्षों-वर्षों की उनकी योगसाधना अत्यंत गहन थी। उनकी अंत:प्रज्ञा जागृत थी। वर्षों तक अपने शरीर पर साधना के विभिन्न प्रयोग करने के अनुभवों के पश्चात प्रेक्षाध्यान नामक ध्यान-योग पद्धति का उन्होंने आविष्कार किया। अध्यात्म योग की गहराई में पहुंचकर जो अनमोल रत्न उन्होंने प्राप्त किए उन्हें ध्यान के विविध प्रयोगों के रूप में जनता के सामने प्रस्तुत किए। भगवद्गीता में बताया गया स्थितप्रज्ञता का स्वरूप उनके जीवन में साकार दिखाई देता था। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री महाप्रज्ञजी की अंतर्प्रज्ञा जागृत थी। उनके भीतर में ज्ञान के स्रोत खुल चके थे। आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के साहित्य का एक विशाल पाठक संसार है। जो देश के हर भू-भाग में फैला हुआ है। उनका साहित्य पढ़ने वाले चाहे साहित्यकार हो, राजनीतिज्ञ हो, वैज्ञानिक

हो या अन्य हर कोई भी हर किसी को ऐसा महसूस होता है यह पुस्तक जैसे मेरे लिए ही लिखी गई है। हर किसी को अपनी निजी समस्या का समाधान आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के साहित्य में मिल जाता। हजारों-हजारों लोगों की जीवनधारा उनके साहित्य को पढ़कर ही बदल गई। आभामंडल पवित्र था। आंखों से करुणा बरसती थी। बड़े-बड़े धर्मगुरु उनके पास मार्गदर्शन के लिए आते थे। मुनि श्री कुमुद कुमारजी ने कहा कि खुले आकाश में जन्म लेने वाले बालक नत्थु ने खुले आकाश जैसी ही विराटता को प्राप्त किया। विनय और गुरु के प्रति समर्पण के तो वो मूर्तिमान स्वरूप थे। ज्ञान की इतनी गहराई, व्यक्तित्व की इतनी ऊंचाई, इतनी प्रतिष्ठा एवं संघ के सर्वोच्च पद आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किए जाने के बाद भी अहंकार उन्हें छू भी नहीं पाया। उनका विनयभाव निरंतर बढ़ता ही रहा। गुरु के प्रति समर्पण, विनय और सम्यग पुरुषार्थ के बल पर आगे बढ़ते गए। उनकी निश्छलता और सरलता अनुकरणीय थी। सिग्नेचर इस्टेट की श्राविकाओं के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सभा अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा, तेरापंथ युवक परिषद, महिला मंडल मंत्री ममता दुगड़, अणुव्रत समिति उपाध्यक्ष नवरतन गधैया, बहादुर सिंह सुराणा ने वक्तव्य एवं गीत के द्वारा आचार्य श्री महाप्रज्ञजी को भावांजलि अर्पित की। इस आशय की जानकारी सभा के उपाध्यक्ष रायचंद पटावरी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

संपादकीय

तीन नई संहिताएं

जुलाई के आरंभ से ही तीन ऐतिहासिक कानूनी परिवर्तन किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ऐसे ही परिवर्तन हैं, जो औपनिवेशिक अवशेषों को भी खत्म कर देंगे। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी,1860) और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 ब्रिटिश राज की कानूनी व्यवस्थाएं थीं, जिन्हें हम आज भी ढो रहे थे। ये 'उपनिवेश की गुलामी' की याद दिलाती थीं। अब उनके स्थान पर पूर्णतः भारतीय संहिताएं होंगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया। उस सूची में आपराधिक वैवाहिक बलात्कार, यौन अपराधों को लैंगिक तौर पर निरपेक्ष बनाना, इच्छा-मृत्यु और राजद्रोह सरीखे अपराधों पर नागरिकों के अभिमत लिए जाने थे। अभिमत कितनी संख्या में आए, कितने राज्यों के किन-किन वर्गों के लोगों ने अपने अभिमत दिए, भारत सरकार ने उनका कोई खुलासा नहीं किया है। दरअसल संसद में ये विधेयक तब पारित किए गए, जब 146 सांसद निलंबित थे और सदनों में एकतरफा बहुमत था, लिहाजा ध्वनि-मत से विधेयक पारित किए गए। बाद में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से वे कानून बन गए, लेकिन इस संदर्भ में अब भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। इन तीनों संहिताओं और अधिनियम पर देश का जनमत सामने आना भी शेष है, क्योंकि एक जुलाई से ही ये ऐतिहासिक परिवर्तन लागू किए गए हैं। अब 'प्राथमिकी' का नामकरण तक बदल दिया गया है। सजा के वैकल्पिक स्वरूप के तौर पर सामुदायिक सेवा का प्रावधान भी किया गया है। छोटे अपराधों के लिए 'समरी ट्रायल' को अनिवार्य किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ट्रायल अब सुनिश्चित होगा। भीड़-हत्या और हिंसा, बाल विवाह बलात्कार ऐसे अपराध हैं, जिनका समयबद्ध और गतिमय ट्रायल अनिवार्य होगा। अधिकतर सलाह-मशविरा, विमर्श कोरोना महामारी के दौरान किए गए, लिहाजा संहिताओं में कुछ बड़े परिवर्तन नहीं जोड़ पाए होंगे। कुछ राज्यों ने भी आपत्तियां की हैं और मांगें भी की हैं। मसलन-कानूनों के नाम अंग्रेजी में नहीं होने चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में काफी वक्त लगता है। कर्नाटक सरकार ने आपत्ति की है कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्राथमिक जांच के लिए पुलिस अफसर को 14 दिन का वक्त क्यों दिया जाना चाहिए? धारा 377 को बिल्कुल हटा देने पर भी सवाल किए गए हैं। उप्र कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि अंतरिम जमानत के प्रावधानों में कुछ अपवाद रखे जाएं और इस पर एक अध्यादेश लाया जाए। बहरहाल कुछ राज्यों के आग्रह तार्किक हैं और महत्वपूर्ण भी हैं। इन कानूनों की अभी समीक्षा की जानी चाहिए। नई लोकसभा में जो स्थायी समितियां बनेंगी, उनके सांसद-सदस्यों को पुनरावलोकन के लिए ये संहिताएं दी जाएं।

> आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया।

आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

> महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है।

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है। भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय

रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है, कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि-क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है।

इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रातः भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके व नए अनुभव के रूप में देखना होगा। अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं। मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने, और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है। विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों में व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई, जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्क फरोम हॉम का प्रचलन बढ़ा, उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई है। देर राज तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा, लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे।

दृष्टि कोण

जनांदोलन की जरूरत क्यों?

लोकतांत्रिक पद्धति में चुनाव बेहद अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन क्या हाल के आम चुनाव ने बदलाव की कोई दस्तक दी है? राजनीतिक जमातों और कारपोरेट हितों के गठबंधन ने क्या हमारे लोकतंत्र में आम नागरिकों के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी है, इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। कभी किसी ने सोचा नहीं होगा कि आजादी के पचहत्तर साल होते-होते भारत अपनी सांस्कृतिक, वैचारिक विरासत छोडक़र बिल्कुल विपरीत दिशा में जाने लगेगा। आज सत्ता प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए खुले तौर पर छल, कपट की नीतियां अपनाई जा रही हैं। धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध अनीति को धर्म साबित करने की कोशिश हो रही है। सत्य और अहिंसा का मार्ग छोडक़र झूठ और हिंसा के रास्ते देश चलाया जा रहा है। संवैधानिक भावना के विरुद्ध सभी संवैधानिक संस्थाओं और पदों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह देश का दुर्भाग्य है कि इन सभी बुराइयों को श्रीराम, श्रीकृष्ण और हिंदू धर्म के नाम पर खपाया जा रहा है। देश में धर्म, जाति और आर्थिक आधार पर भेदभाव बढ़ाने वाली नीतियां लागू की जा रही हैं, जिससे धर्म, जाति, वर्ग में शत्रुता की भावना पैदा हो रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण करके हिंदू-मुसलमानों के बीच टकराव पैदाकर धार्मिक विद्वेष फैलाने का काम किया जा रहा है। जाति प्रथाओं के पुराने जख्मों को कुरेदकर टकराव पैदा करके समाज को तोडऩे का काम किया जा रहा है। कारपोरेट परस्त नीतियां बनाकर और देश की संपत्ति को कारपोरेट्स के हवाले कर जनता की लूट और अमीरों को छूट का काम किया जा रहा है। राज्यसत्ता प्राप्त करने के लिए सरकार समाज में फूट डालने का काम करती दिख रही है और चाणक्य की साम, दाम, दंड, भेद नीति और सावरकर की गुरिल्ला नीति का खुलकर उपयोग कर रही है। केंद्र सरकार ने मान लिया है कि देश की विरोधी पार्टियां और राजनीतिक विरोधी उनके शत्रु हैं और उन्हें समाप्त करने के लिए चाणक्य और सावरकर नीति का इस्तेमाल कर विरोधियों को धोखे से मारना उसका कर्तव्य है। सरकार ने इसका लोकतांत्रिक तरीका ढूंढ निकाला है और उसके लिए संवैधानिक संस्थाओं और पदों का हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। अब आम जनता भी मानने लगी है कि सरकार सत्ता के लिए विधायिका, चुनाव आयोग, न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं और पदों का हथियार के रूप में उपयोग कर रही है। विरोधी पार्टियों की सरकारें अस्थिर करने, गिराने के लिए विधायकों, सांसदों की खरीद-फरोख्त हो रही है। संसद और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करके राज्यपाल, विधायिका के अध्यक्ष या सभापति के अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका सरकार को लाभ पहुंचाने के निर्णय कर रही है। ईडी, सीबीआई, आईटी आदि विभागों का इस्तेमाल कर विरोधियों को डराया जा रहा है। विरोधी पार्टियों को तोडक़र राज्य सरकारों को अस्थिर किया या गिराया जा रहा है। विरोधी पार्टियों की सरकारों के सामने आर्थिक संकट पैदा करने के लिए उनके हक का धन न देना, विकास के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी बताना, सरकार बदलने पर योजनाओं की घोषणाएं करना आदि से केवल विरोधी पार्टियों की सरकारें ही नहीं, उन्हें वोट देने वाले मतदाताओं को भी प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं, सुविधाओं का क्रियान्वयन और गैस, पेट्रोल की कीमतें, किसानों की मदद, सब्सिडी आदि में सरकार पक्षपात कर रही है। विरोधी पार्टियों की सरकार को अस्थिर करने के लिए ये कुटिल तरीके अपनाए जा रहे हैं। भले ही राजनीतिक पार्टियां मानती हैं कि वे देश चला रही हैं, लेकिन यह सच नहीं है। देश कारपोरेट घराने चला रहे हैं। वे राजनीति में सीधा हस्तक्षेप करके कारपोरेट परस्त नीतियों को लागू करने वाली पार्टियों का खुला समर्थन कर रहे हैं। देश में कौनसी पार्टी सत्ता में आए और कौन प्रधानमंत्री बने, यह कारपोरेट घराने ही तय करते हैं। सरकार जब तक इन घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए कारपोरेट परस्त नीतियां बनाती रहेगी, तब तक वह सत्ता में बनी रहेगी। जिस दिन सरकार कारपोरेट्स को लाभ नहीं पहुंचा पाएगी, उस दिन उसे हटा दिया जाएगा। कारपोरेट घराने उन्हें लाभ पहुंचाने वाली राजनीतिक पार्टियों को कानूनी और गैर-कानूनी तरीके से बड़े पैमाने पर चंदा देते हैं और बदले में कारपोरेटी लूट के लिए जनविरोधी और कारपोरेट परस्त नीतियां बनवाते हैं। सरकारें बनाने और गिराने में धन का दुरुपयोग करते हैं। कारपोरेट घरानों द्वारा मीडिया पर कब्जा किया गया है। ये घराने सरकार के पक्ष में प्रपोगंडा चलाने और विरोधियों के विरुद्ध वातावरण बनाने के लिए मीडिया का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केवल गैर-कानूनी पद्धति से लिया गया धन ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि कारपोरेट परस्त नीतियां बनवाने के बदले कानूनी पद्धति से लिया गया धन भी भ्रष्टाचार होता है।

कुछ अलग

विकास सो रहा है...

कई महीने बाद झुन्नू लाल मुझे सुबह-सवेरे उस वक्त बस में मिले जब मैं दिल्ली से रोहतक जा रहा था। वह रोहतक में किसी कारखाने में नौकरी करते थे। हर रोज सुबह-सवेरे मुंह अंधेरे निकल जाना और देर शाम घर पहुंचना उनकी ऐसी दिनचर्या का हिस्सा बन चुके थे, जिसे वह चाहकर भी छोड़ नहीं सकते थे। जब उनसे बच्चों के बारे में पूछा कि कितने बड़े हो गए हैं तो दोनों हाथों से इस तरह बताने लगे मानो बच्चे ऊंचाई में नहीं, लम्बाई में बढ़ रहे हों। उन्होंने हाथों को फैलाते हुए कहा, 'विकास इतना हो गया है और प्रगति उससे थोड़ी छोटी है।' मैंने चकित होते हुए पूछा, 'इतना हो गया है। क्या मतलब?' वह हंसते हुए बोले, 'दरअसल मैं सुबह जब भी निकलता हूं, दोनों बच्चे सोए होते हैं। रात को जब आता हूं तब तक उनकी मां उन्हें सुला चुकी होती है। मैं हर रोज उन्हें बिस्तर पर सोए देखता हूं। उसी अंदाजे से आपको हाथ से बता रहा हूं कि एक इतना लम्बा है और दूसरा उससे थोड़ा छोटा।' मैं हंसते हुए बोला, 'इधर प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि देश में जितना विकास पिछले दस सालों में हुआ है, वह आजादी के बाद सत्तर सालों में भी नहीं हुआ। उधर आप कह रहे हैं कि आप जब भी विकास और प्रगति को देखते हैं, दोनों सोए मिलते हैं।' इतने में बस में जोर का झटका लगने पर झुन्नू हंसते हुए बोले, 'मैं देश में हो रहे विकास को हर रोज बड़े नजदीक से देखता हूं। आज आप भी हाईवे पर देश में हो रहे विकास का भरपूर मजा लीजिए। आप तो सेन्ट्रल सेक्रेटेरिएट में सरकार से चिपके बैठे हैं। आप तो विकास को बड़े नजदीक से देख रहे होंगे।' उनके इस सवाल से मेरे चेहरे पर वैसी गंभीरता छा गई जैसे प्रधानमंत्री के मुखमंडल पर उस वक्त छाती है, जब कोई अमरीकी पत्रकार उनसे विदेशी दौरे के दौरान पत्रकार वार्ता में असहज करने वाला सवाल पूछ लेता है। मैंने प्रधानमंत्री की तरह सवाल चने, जवाब गंदम तो नहीं किया, पर उन्हें घूरते हुए बोला, 'हां, देश में विकास तो बहुत हो रहा है। मिसाल के लिए अयोध्या के राम मन्दिर में भगवान का सूर्य तिलक और वृष्टि तिलक (बारिश) दोनों साथ-साथ हो रहे हैं। मन्दिर की छत से पानी सत्ताई अहंकार की तरह टपक रहा है। राम पथ हमारे चरित्र की तरह धंस रहा है और चारदीवारी नैतिकता की तरह गिर रही है। अयोध्या में लोगों को रोजगार के अवसर मुहैया करवाने के लिए बारिश के मौसम में जल भराव की समुचित व्यवस्था की गई है। सडक़ों को जमीन से बेईमानी की तरह इतना उठा दिया गया है कि लोग जमा पानी में जल तोरी (मछली) पैदा कर सकते हैं। गर्मियों में देश की राजधानी में पानी की गंभीर कमी हो गई थी। इसलिए बारिशों में पानी जमा किया जा रहा है। लाल किले के पास दो दिन पहले लोग कमर तक डूबे हुए काम पर जा रहे थे। प्रगति मैदान टनल में साल भर का पानी जमा किया जा रहा है। मुम्बई, बैंगलोर और चेन्नई की तरह दिल्ली भी पानी-पानी हो रही है। शर्म से डूबने के लिए एक चुल्लू पानी ही काफी होता है। पर लगता है कि विकास के नए आयाम गढऩे वाले नेताओं के लिए समन्दर भी कम पड़ेगा। ऐसा ही विकास देश के आम आदमी का भी हो रहा है। उसे मुफ्त राशन भी दिया जा रहा है और उसके खरीदने की शक्ति भी समाप्त की जा रही है। यह सरकार द्वारा छात्रों के समान विकास के लिए विकसित किए गए मॉडल का ही नमूना है कि अब तक करीब सात दर्जन परीक्षाओं के पेपर लीक करवाए जा चुके हैं। जो छात्र बुद्धिमान और मेहनती हैं, वे तो परीक्षा पास कर ही लेंगे। बाकियों के लिए 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर पेपर बेचे जा रहे हैं। हो सकता है सरकार शीघ्र ही लीक पेपर खरीदने के लिए छात्रों को बैंकों से कम ब्याज दर पर कर्ज की सुविधा मुहैया करवा दे।'

देश दुनीया से

गलवान के चार साल और चीन की अमानवीयता

> हिंसक झड़प तब हुई जब चीनी पक्ष एलएसी का सम्मान करने के लिए आम सहमति से हट गया और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया। यह सैन्य शक्ति के साथ एक राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने का चीनी पक्ष का तरीका है। गलवान घाटी संघर्ष एक महत्वपूर्ण क्षण जो भारतीय सेना की व्यावसायिकता और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के अमानवीय शासन के बीच स्पष्ट विरोधाभासों का प्रतीक बन गया है। डोकलाम गतिरोध और गलवान घाटी संघर्ष के दौरान भारतीय सेना का आचरण राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए उसके अनुशासन, व्यावसायिकता और समर्पण का एक प्रतीक बन गया है।

गलवा घाटी संघर्ष की चौथी वर्षगांठ हाल में मनाई गई। यह घटना चीन के साथ भारत के संबंधों में 45 साल के अध्याय के अंत का प्रतीक है, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जीवन के नुकसान से कोई सशस्त्र टकराव नहीं देखा गया था। हिंसक झड़प तब हुई जब चीनी पक्ष एलएसी का सम्मान करने के लिए आम सहमति से हट गया और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया। यह सैन्य शक्ति के साथ एक राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने का चीनी पक्ष का तरीका है। गलवान घाटी संघर्ष एक महत्वपूर्ण क्षण जो भारतीय सेना की व्यावसायिकता और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के अमानवीय शासन के बीच स्पष्ट विरोधाभासों का प्रतीक बन गया है। डोकलाम गतिरोध और गलवान घाटी संघर्ष के दौरान भारतीय सेना का आचरण राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए उसके अनुशासन, व्यावसायिकता और समर्पण का एक प्रतीक बन गया है। दुनिया ने भारतीय सैनिकों की वीरता और रणनीतिक क्षमता देखी, जो उकसावे के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे और भारत की क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरा है। गलवान और डोकलाम की घटनाओं ने न केवल भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और अनुशासन को उजागर किया है, बल्कि सीसीपी की दमनकारी और विस्तारवादी प्रवृत्तियों को भी उजागर किया है। गलवान संघर्ष के साथ-साथ पहले के डोकलाम गतिरोध ने भारतीय सेना की अत्यधिक व्यावसायिकता को उजागर किया है। हमारे सैनिकों ने अकारण आक्रमण के खिलाफ राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने में अटूट साहस और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया। दुनिया ने देखा कि भारत मजबूती से खड़ा है, सम्मान और कत्र्तव्य में निहित सैन्य लोकाचार का प्रदर्शन कर रहा है। इसके विपरीत गलवान के बाद, दुनिया ने चीनी रंगरूटों के दुःखद वीडियो भी देखे, जिनमें से कई को सीसीपी के दमनकारी शासन के तहत जबरन भर्ती किया गया है। ये युवक अक्सर आंसू बहाते और अनिच्छुक भर्ती किए होते हैं। चीनी नागरिकों की दुर्दशा को अपनी सरकार की सत्तावादी सनक के अधीन करते हैं। भारतीय सैनिकों की स्वैच्छिक वीरता और चीनी रंगरूटों की जबरन सेवा के बीच यह अंतर दोनों देशों के बीच शासन और मानवाधिकारों में मूलभूत अंतर के बारे में बताता है। गलवान संघर्ष के जवाब में, भारत ने अपनी रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की हैं। सभी मौसम की सडक़ों, उन्नत रसद सुविधाओं के विकास और दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी जैसी रणनीतिक संपत्तियों की वसूली ने हमारी रक्षा मुद्रा को मजबूत किया है। ये पहलें हमारे सशस्त्र बलों के लिए तेजी से समर्थन सुनिश्चित करती हैं, जिससे भविष्य के किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए हमारी तत्परता को मजबूती मिलती है। सीसीपी की अमानवीय प्रथाएं उसकी सैन्य नीतियों से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। दुनिया ने शिनजियांग में उइगर मुस्लिम आबादी के व्यवस्थित उत्पीडऩ को बढ़ते आतंक के साथ देखा है। सामूहिक हिरासत, जबरन श्रम और गंभीर मानवाधिकारों के हनन की रिपोर्ट एक तत्काल अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की मांग करती है। ये कार्रवाइयां मानवता और न्याय के सिद्धांतों के विपरीत हैं। अपनी सीमाओं के भीतर असंतोष के दमन और वियतनाम, फिलीपींस, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और मंगोलिया जैसे पड़ोसी देशों के साथ कुख्यात रणनीति देखी है। चीन की कुख्यात रणनीति इसकी सीमाओं से परे फैली हुई है, जो पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों को प्रभावित करती है। वियतनाम, फिलीपींस, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान, ये राष्ट्र लगातार चीन के आक्रामक क्षेत्रीय दावों और सैन्य रुख का सामना करते हैं। दक्षिण चीन सागर विवाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के लिए चीन की अवहेलना का उदाहरण है। मंगोलिया पर चीन की सीसीपी द्वारा अपने पड़ोसियों पर हावी होने के लिए नियोजित आर्थिक जबरदस्ती की व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है। वुहान वायरोलॉजी लैब के विवादास्पद संचालन से लेकर अपने ही नागरिकों पर चल रही क्रूरता और दमन शामिल है। यह वर्षगांठ चीन की आंतरिक और बाहरी आक्रामकता पर व्यापक प्रवचन का आह्वान करती है, जो इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता को उजागर करती है। वुहान वायरोलॉजी लैब के आसपास की हालिया घटनाओं और पीएलए के शीर्ष स्तर के अधिकारियों, और बिजनेस टाइकून की आंतरिक क्रूरता से शासन की निरंकुश और दमनकारी प्रकृति को उजागर किया है। आंतरिक रूप से सत्ता पर सीसीपी की पकड़ असंतोष के दमन और राजनीतिक विरोधियों के उत्पीडऩ के माध्यम से बनी हुई है। उच्च स्तरीय मंत्रियों, पीएलए के शीर्ष अधिकारियों और उद्योगपतियों को शासन को चुनौती देने के लिए गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के बजाय भय और नियंत्रण में निहित शासन मॉडल को दर्शाता है।

आप का नजरीया

मई-जून को लूटने की जिद्द

बेशक सोलन के टैक्सी चालक के कातिल पुलिस की पकड़ में आ गए, लेकिन इस तरह के घटनाक्रम से सीखने और हिमाचल में परिवहन के जरिए घूम रहे अपराध पर नकेल कसने की जरूरत है। जिन हालात में टैक्सी चालक हरिकृष्ण को जान गंवानी पड़ी, वहां पर्यटन, परिवहन, पुलिस पैट्रोलिंग और व्यवस्था की खामियां उजागर होती हैं। यह इसलिए भी कि पर्यटन के मई-जून महीने को लूटने की जिद्द ने हमें आवारा बना दिया। ऐसी मानसिकता उतर कर सडक़, होटल, रेस्तरां और शराब की दुकानों तक पहुंच गई है। कहना न होगा कि ये दो महीने पूरे साल और हिमाचल के आत्मीय वातावरण पर भारी पड़ रहे हैं। इन दो महीनों में हमारी सडक़ें खूंखार, पार्किंग बीमार, बाजार में आग, वातावरण में हाहाकार और थक के किनारे हो जाती है पूरी व्यवस्था। जलापूर्ति ठप होती है, तो जलशक्ति महकमा मुंह छुपाते घूमने लगता है। बिजली पर बढ़ता आपूर्ति का अतिरिक्त बोझ विभाग के बहाने बढ़ा देता है। यह एक मात्र ऐसा विभाग है जो दिन में बार-बार कट और हफ्ते में एक दिन मरम्मत के नाम पर जनता को अंधेरे में रखने का अभ्यस्त है। पुलिस और प्रशासन कहीं वीआईपी ड्यूटी, तो कहीं चुनावों की बागडोर थाम कर यह नहीं सोच पाते कि सडक़ पर शांति कैसे बनाएं और अपराध के पंजों से हिमाचल को कैसे बचाएं। ये दो महीने हाय तौबा के बन जाते हैं, क्योंकि कोई खाका नहीं कि अटल टनल की भीतरी दीवारें वाहन प्रदूषण से मटमैली न हों या इसके उत्तर-दक्षिण छोर पर वाहन संख्या का शोर विध्वंस के दैत्य को न जगा दे। सडक़ों के बीच बाजार, व्यापार, प्राकृतिक नजारों पर खतरनाक सेल्फी प्वाइंट और किसी नदी या खड्ड के किनारों पर खतरनाक डुबकियां हमारी छवि से भिड़ंत कर रही हैं। आश्चर्य यह कि पर्यटकों के बीच हुड़दंगियों की टोलियां कहीं अधिक पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया के जमाने में जब पर्यटन वीडियो या सेल्फी बन रहा, तो यह मनोरंजन नहीं खुद को दिखाने का एक मौसम है। हम यह इसलिए लिख रहे हैं कि ऐसे पर्यटन के बीच राज्य की छवि, राज्य का अमन चैन, राज्य का व्यापार, राज्य के पर्यटन केंद्र और इससे जुड़ा रोजगार भ्रमित हो रहा है। टैक्सी चालक के लिए हर यात्री पर्यटक या हर पर्यटक यात्री नहीं हो सकता। इसी तरह होटल के लिए हर रुकने वाला पर्यटक नहीं हो सकता, लेकिन यह फैसला सिर्फ एक संपूर्ण व्यवस्था और चौकसी ही कर सकती है। पूरे ट्रैवल और टूरिज्म उद्योग को संगठित व राज्य के संपूर्ण प्रबंधन के तहत अपनी व्याख्या करनी चाहिए, लेकिन इसके विपरीत हिमाचल में टैक्सी संसार अलग-अलग साम्राज्यों में विभक्त है। मनाली से रोहतांग या अटल टनल के साम्राज्य में हिमाचल के अन्य क्षेत्रों की ही टैक्सियां अछूत हो जाती हैं। गगल एयरपोर्ट की मिलकीयत में एक अलग टैक्सी यूनियन है जो वहां की बादशाह है। इसी तरह मकलोडगंज, डलहौजी, शिमला और कमोबेश हर शहर-धार्मिक स्थल और हर चौक-चौराहे की अपनी-अपनी भूमिका में टैक्सियां दौड़ रही हैं। अगर सारी टैक्सियों को समाहित करके इनका इस्तेमाल एक ऐप के माध्यम से हो तथा इन्हें जीपीएस की निगरानी में चलाया जाए, तो उपभोक्ता को उचित दरों पर तथा सारे प्रदेश को एक समान व्यवस्था के तहत टैक्सी मिलेगी।

हाथरस घटना की न्यायिक जांच होगी : योगी

हाई कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में गठित होगी कमेटी

हाथरस (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हाथरस में हुई भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच कराई जाएगी। हाई कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी। उन्होंने बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि इस घटना में 121 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। इसमें उप्र के साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के भी लोग थे। उप्र में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, हमीरपुर, आगरा, शाहजहांपुर, गौतमबुद्धनगर और लखीमपुर खीरी समेत 16 जिलों के श्रद्धालुओं की मौत हुई है। मृतकों में छह अन्य राज्यों के थे। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि हाथरस, एटा, अलीगढ़ और आगरा में घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों से मैंने बातचीत भी की। वे सभी कहते हैं कि हादसा कार्यक्रम के उपरांत हुआ है। इस कार्यक्रम में जो सज्जन कथा कहने आए थे, वह जाने लगे तो उन्हें छूने के लिए महिलाओं का हुजूम उनकी ओर बढ़ा। उसी में कुछ लोग गिर गए। उनके ऊपर लोग चढ़ते गए। फिर दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले तो आयोजकों ने प्रशासन को परिसर के अंदर जाने नहीं दिया। दुर्घटना के बाद पुलिस घायलों को इलाज के लिए ले जाने लगी तो सभी सेवादार भाग गए। प्रथम दृष्टया राहत एवं बचाव कार्य और फिर आयोजकों के बयान दर्ज करने, उनसे पूछ ताछ करने और कार्रवाई करने का कार्य किया जाएगा। इसे केवल हादसा कह कर टाला नहीं जा सकता। उसकी भी जांच होगी कि हादसा कैसे हुआ। हादसा नहीं तो क्या साजिश है। साजिश है तो दोषियों को ढूढ़ निकाला जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ताकि ऐसी घटना फिर कभी दोहराई न जा सके। सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच हाई कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में गठित कमेटी से कराई जाएगी। एडीजी आगरा जोन के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम पहले से जांच कर रही है। सरकार के तीन मंत्री हाथरस में कैंप कर रहे हैं। विपक्ष के लोगों द्वारा सरकार पर उठाए गए सवाल पर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों की ऐसी प्रकृति होती है। ऐसी घटना पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह सबको पता है कि आयोजकों के साथ किसके संबंध हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस हादसे में मौत का जिम्मेदार सरकार को बताया था। एक अन्य सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि इतना बड़ा धार्मिक आयोजन नहीं होता है। इससे भी बड़े कार्यक्रम होते रहे हैं। सेवादारों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि कोई दुखद घटना न हो। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि घटना के बाद लोग मरते रहे और सेवादार भाग गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों की इस घटना में जान गई है, उनके बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा राज्य सरकार उठाएगी। उनकी व्यवस्था कराएगी।

कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली कुलविंदर कौर का बेंगलुरू तबादला

चंडीगढ़ (हिंस)। भाजपा सांसद कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ की कांस्टेबल कुलविंदर कौर का बेंगलुरू तबादला कर दिया गया है। थप्पड़ कांड के बाद कांस्टेबल को निलंबित किया गया था और उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ था। यह घटना 6 जून को तब हुई थी, जब हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से सांसद बनीं कंगना रनौत दिल्ली में भाजपा संसदीय दल की बैठक में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचीं थी। एयरपोर्ट पर जांच के दौरान सीआईएफएस की महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर ने थप्पड़ मार दिया था। इस घटना को अंजाम देने के बाद कौर ने कहा था कि कंगना ने

किसान आंदोलन पर टिप्पणी की थी, जिससे वो आहत थीं। इसके बाद कांस्टेबल को निलंबित करके उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ था। सीआईएसएफ सूत्रों के अनुसार कांस्टेबल कुलविंदर कौर का निलंबन बहाल करके बेंगलुरू ट्रांसफर कर दिया गया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच अभी भी जारी है।

प्री डीएलएड परीक्षा में डमी कैंडीडेट मामले में तीन गिरफ्तार

धौलपुर (हिंस)। जिले में आयोजित प्री डीएलएल परीक्षा में डमी कैंडीडेट मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अपने भाई की जगह परीक्षा देने वाले डमी कैंडीडेट सतेन्द्र सहित उसका दोस्त जगदीश तथा भाई संजय शामिल हैं। डमी कैंडीडेट सतेन्द्र और उसका दोस्त जगदीश निजी स्कूल में अध्यापन का काम करते हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि तीस जून को जिले में आयोजित प्री डीएलएड परीक्षा में जवाहर नवोदय विद्यालय परीक्षा केंद्र पर एक डमी कैंडीडेट द्वारा अपने भाई के स्थान पर परीक्षा देने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर पुलिस की टीम ने अपने भाई संजय के स्थान पर परीक्षा देते हुए डमी कैंडीडेट सतेन्द्र को पकडा था। इस मामले में अनुसंधान के बाद में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार दोपहर मीडिया को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने सदर थाने पर प्रकरण संख्या 230/2024 धारा 419, 120बी, 467, 468, 471 आईपीसी व 3/6 राजस्थान परीक्षा अधिनियम 1992 में दर्ज मामले में यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार किए आरोपियों में संजय पुत्र भोलूराम कुशवाह उम्र 24 साल निवासी लाडमपुर थाना मनियां जिला धौलपुर, जगदीश पुत्र भोलूराम कुशवाह उम्र 28 साल निवासी लाडमपुर थाना मनियां जिला धौलपुर तथा सतेन्द्र पुत्र बनवारी कुशवाह निवासी लडमपुरा थाना मनियां जिला धौलपुर शामिल हैं। मुख्य आरोपित सतेन्द्र कुशवाह तीस जून को प्री डीएलएड परीक्षा में डमी कैंरीडेट बनकर परीक्षा थी। एसपी ने बताया कि अपने चचेरे भाई संजय की जगह पेपर दे रहा सतेन्द्र पूर्व में बीएसटीसी कर चुका है तथा वर्तमान में एक निजी स्कूल में अध्यापन का काम करता है। पुलिस की पड़ताल में यह भी सामने आया है कि डमी सतेन्द्र ने अपने दोस्त जगदीश के कहने पर ही जगदीश के भाई संजय के स्थान पर प्री डीएलएड का पेपर दे रहा था। तभी एडमिट कार्ड से मिलान करने पर उसके डमी कैंडीडेट होने की बात सामने आई थी।

राजस्थान विधानसभा : हंगामे से हुई बजट सत्र की शुरुआत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत बुधवार को हंगामे से हुई। सदन की कार्रवाई शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने राज्यपाल का अभिभाषण कराए जाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। भारी हंगामे के बीच उपचुनाव में नवनिर्वाचित सदस्य के शपथ और शोकाभिव्यक्ति के बाद सदन की कार्रवाई गुरुवार सुबह ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सोलहवीं विधानसभा के दूसरे सत्र के पहले दिन नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सत्र की शुरुआत में राज्यपाल का अभिभाषण से नहीं कराए जाने पर सवाल उठाए और इसे संविधान को चैलेंज करना करार दिया था। जूली ने कहा कि नए सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होती है। क्योंकि, पिछला सत्र दिसंबर में शुरु हुआ था। इस वर्ष का ये पहला सत्र है और इसकी शुरुआत में अभिभाषण नहीं होना असंवैधानिक है। जूली ने विधानसभा अध्यक्ष पर उनका माइक बंद करने का भी आरोप लगाया। हालांकि, संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल ने नेता प्रतिपक्ष के राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर उठाए गए सवालों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि जूली नियमों की गलत व्याख्या कर रहे हैं। आज से शुरू हुआ सत्र नया नहीं है। इस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दखल देते हुए व्यवस्था दी कि ये पहला सत्र नहीं है और दूसरे सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण जरूरी नहीं है। यह जवाब सुनकर विपक्षी दलों ने फिर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच बागीदौरा से उपचुनाव में जीते भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल को शपथ दिलाई गई। स्पीकर देवनानी ने विधानसभा सदस्यों को प्लास्टिक मुक्ति को लेकर संकल्प दिलाया। इसके बाद शोकाभिव्यक्ति के दौरान सदन में पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी समेत बारह दिवंगत नेताओं को भी श्रद्धांजलि दी गई। विधानसभा में हाथरस की घटना में मारे गए लोगों को भी श्रद्धांजलि भी दी गई। यूपी के हाथरस में सत्संग हादसे में मारे गए 121 लोगों को राजस्थान विधानसभा में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। शोकाभिव्यक्ति के बाद सदन की कार्रवाई गुरुवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई।

खडूर साहिब सीट से निर्वाचित अमृतपाल सिंह पांच जुलाई को लेंगे लोकसभा में शपथ

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खडूर साहिब लोकसभा सीट से चुनाव जीते अमृतपाल सिंह को सांसद के रूप में शपथ लेने की इजाजत मिल गई है। वह 5 जुलाई को संसद भवन में शपथ लेंगे। फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात करके इजाजत मांगी थी। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह स्पीकर के कमरे में शपथ लेंगे। नियमों के मुताबिक निर्वाचित संसद सदस्य को 60 दिनों के भीतर शपथ लेनी होती है। अमृतपाल सिंह पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। अमृतपाल सिंह के वकील ने कहा कि एनएसए की अवधि 23 अप्रैल, 2025 तक रहेगी। उधर, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अमृतपाल सिंह को शपथ लेने की इजाजत दिए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि किसी को भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के मुताबिक शपथ लेने की इजाजत दी जा सकती है।

सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा मामला : महिला टीचर बरसाना तो ढाका और बेनीवाल हैदराबाद में काट रहे थे फरारी

जयपुर (हिंस)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 समेत छह से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में तीन आरोपी ओमप्रकाश ढाका, सुनील बेनीवाल और शम्मी बिश्नोई को एसओजी ने बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां पर उन्हें 15 दिन के रिमांड पर भेज दिया गया। मंगलवार को जोधपुर की साइक्लोन टीम ढाका और बेनीवाल को हैदाराबाद से पकड़ जयपुर लाई थी। वहीं सरकारी टीचर शम्मी को जोधपुर से डिटेन कर लिया था। तीनों को मंगलवार रात में एसओजी को सौंप दिया था। जोधपुर आईजी विकास कुमार ने बताया कि ढाका और बेनीवाल हैदराबाद के एक फ्लैट में छिपे थे, जहां से उन्हें एक फ्लैट से पकड़ा। वहीं शम्मी बरसाना में फरारी काट रही थी और मंगलवार को टीम उसे लेकर जोधपुर पहुंची थी। उनकी टीम पिछले दो महीने में इन बदमाशों के पीछे थी। इस दौरान इनपुट मिला कि ढाका और बेनीवाल हैदराबाद के एक फ्लैट में छिपे थे। टीम को इसका इनपुट मिला तो गैस सप्लाई के बहाने फ्लैट में गए और वहां से दोनों को पकड़ा। जबकि सरकारी टीचर शम्मी बरसाना में गायों की शोभायात्रा में पहली बार देखी गई थी। इसके बाद उसे वहां के कई मंदिरों में देखा गया। इसी दौरान शम्मी को भी डिटेन किया गया। टीम पिछले दो माह से वांटेड बदमाशों के पीछे थी। चेन्नई में ढाका और बेनीवाल एक ही फ्लैट में रह कर फरारी काट रहे थे। पुलिस टीम ने कई दिनों तक इन की रेकी की। फिर गैस की सप्लाई देने के बहाने प्लैट में घुसे और दोनों को पकड़ा। वहीं शम्मी दो माह से बरसाना में थी। वह बरसाना में गायों की शोभायात्रा में पहली बार मिली, जिसके बाद कई मंदिरों में उसे देखा गया। इसी दौरान टीम ने उसे डिटेन किया। ओमप्रकाश ढाका पर 75 हजार रुपए, शम्मी बिश्नोई पर 70 हजार रुपए और सुनील बेनीवाल पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। तीनों पेपर लीक के मास्टरमाइंड हैं। इनकी तलाश राजस्थान पुलिस को काफी समय से थी। ओपी ढाका मुख्य आरोपी है। पेपर लीक माफिया जगदीश विश्नोई की गैंग को चलाने वाला हैंडलर है। ये पेपर लीक जैसी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। वहीं शम्मी विश्नोई ने कई परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बैठाने का काम किया है। खुद भी कई परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बनकर बैठा है। वो खुद बालोतरा थाने का वांटेड भी है। सुनील भी डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षाओं में बैठा है। ये डमी कैंडिडेट भी उपलब्ध करवाता था। एडीजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने 38 एफआईआर दर्ज की है। इनमें 28 मामले डमी कैंडिडेट और बाकी फर्जी डिग्री और पेपरलीक के हैं। ये गिरोह इतना बड़ा है कि जो कैंडिडेट परीक्षा में सिलेक्ट हो जाता था, उनको फर्जी डिग्री तक दिला देते थे। पीटीआई भर्ती-2022 परीक्षा में भी 88 कैंडिडेट ऐसे थे, जिन्हें फर्जी डिग्री दिलवाई।

श्रद्धालुओं के टेंपों की अज्ञात वाहन से भिड़ंत में तीन की मौत, 13 घायल

दौसा (हिंस)। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर सदर थाना क्षेत्र में गिरिराज धरण मंदिर के पास मंगलवार देर रात सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हो गए। टेंपों में सवार एक दर्जन से ज्यादा लोग खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे थे। इस दौरान अज्ञात वाहन से टेंपों की भिडंत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि, चार गंभीर घायलों को जयपुर रैफर किया गया, जहां एक और बालिका ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि यूपी के मुरादाबाद और हापुड़ क्षेत्र के रहने वाले एक दर्जन से ज्यादा लोग सीकर के खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन का टेंपों से वापस लौट रहे थे। इस दौरान देर रात गिरिराज धरण मंदिर के पास तेज स्पीड टेंपों की आगे चल रहे अज्ञात वाहन से भिड़ंत हो गई। अचानक हुए घटनाक्रम से टेंपों सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। टेंपों के केबिन में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां कई घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे में घायल समंत्रा पत्नी ओमप्रकाश, छोटू लाल पुत्र जयपाल जाटव, टीटू पुत्र ओमप्रकाश जाटव, हिमांशु पुत्र मोनू जाटव, मचला पत्नी टीटू जाटव, दिव्या पुत्री टीटू जाटव, सोनाली पुत्री टीटू जाटव, सोनिया पत्नी राजकुमार जाटव, अतर सिंह, ओमप्रकाश, लवीश, राजकुमार, राधा और विद्या पुत्री वीरेंद्र कुमार सहित सोलह घायलों का इलाज शुरू कर दिया गया।

हाथरस में सत्संग के दौरान हुए हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग

अररिया (हिंस)। बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने उत्तरप्रदेश के हाथरस में सत्संग सुनने के दौरान भगदड़ से श्रद्धालुओं की हुई मौत मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने घटना के पीछे बड़े साजिश होने की आशंका व्यक्त की। बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने कहा कि उत्तरप्रदेश के हाथरस में सत्संग के दौरान हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में महिलाओं व बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मृत्यु जैसी घटना अत्यंत दुखद व हृदय विदारक है। इस घटना के उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। सोनी ने कहा आए दिन देश भर में इससे बड़े-बड़े धार्मिक अनुष्ठान व आयोजन होते हैं। हाथरस की सत्संग से कई गुना ज्यादा श्रद्धालुओं की भीड़ अन्य स्थानों पर होती है। लेकिन उत्तरप्रदेश के हाथरस में ही भगदड़ जैसी घटना क्यों घटित हुई यह बहुत बड़ी सवाल है। उत्तरप्रदेश की सरकार व हिंदू धर्म के महंत कथावाचक को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है ताकि इस तरह की घटना को देखकर श्रद्धालु दोबारा सत्संग सुनने नहीं जाए और धर्म के प्रति जागरूक नहीं हो।

कार्यकर्ताओं को चक्कर कटवाने वाले अफसर के चक्कर मैं कटवा दूंगा : नायब सिंह सैनी

सिरसा (हिंस)। कार्यकर्ता पार्टी की रीड की हड्डी है और किसी भी कार्यकर्ता की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं कि कोई भी पार्टी का कार्यकर्ता आपके पास सही काम करवाने आए तो उनका पहली बार में ही काम कर देना। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सीडीएलयू के मल्टी पर्पज हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई अधिकारी काम करने की एवज में कार्यकर्ताओं के चक्कर कटवाएगा और मुझे चंडीगढ़ में आकर शिकायत करेगा तो अधिकारियों के चक्कर मैं कटवा दूंगा। कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री के उद्बोधन के बाद जबरदस्त खुश दिखे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग हमेशा झूठ व भ्रम फैलाने का काम करते हैं और भारतीय जनता पार्टी जनता के बीच में रहकर उनके काम करती है। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता के बीच जाकर कांग्रेस द्वारा फैलाई जा रहे झूठ का पर्दाफाश करें और जनता को बताएं कि कांग्रेस के राज में किस प्रकार रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए तीन-तीन दिनों तक लाइनों में लगना पड़ता था और कैसे 2000 रुपए की ब्लैक में सिलेंडर तुरंत मिल जाता था। कांग्रेस राज में तीन से चार घंटे लाइट रहती थी, परंतु आज गांव-गांव में सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरपंचों को गांव में 21 लख रुपए तक की राशि से विकास कार्य करवाने की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही जिन परिवारों की वार्षिक आय 1.80 रुपए से कम है, उन्हें मुफ्त में सौर ऊर्जा से संचालित सोलर पैनल दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की डबल इंजन सरकार आमजन के हितों के सभी काम कर रही है और भविष्य में भी करती रहेगी। इस अवसर पर बिजली मंत्री रणजीत सिंह, पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल, सुरेंद्र पूनिया, जिला अध्यक्ष निताशा सिहाग, अशोक तंवर, मीनू बैनीवाल, प्रमोद कंबोज, अमन चोपड़ा सहित अन्य नेतागण मौजूद रहे।

तीन नए कानूनों के विरोध में अधिवक्ताओं ने रखा वर्क सस्पेंड

रोहतक (हिंस)। जिला बार एसोसिएशन ने केंद्र सरकार द्वारा तीन नए कानून लागू करने का कड़ा विरोध करते हुए बुधवार को वर्क सस्पेंड रखा। सरकार से तुरंत इन कानूनों को वापिस लेने की मांग की। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह तीन कानून नियमों के विरूध है और जनता के अधिकारों का हनन करते है, जिसके चलते लोगों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान अरविंद श्योराण ने बताया कि तीन कानूनों के विरोध में अधिवक्ताओं द्वारा आज एक दिन का वर्क सस्पेंड रखा गया है और यह कानून जनता व अधिवक्ताओं के खिलाफ है।

गुवाहाटी अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में जिले के 4 खिलाड़ी हुए शामिल

किशनगंज (हिंस)। 2 जुलाई से गुवाहाटी, असम के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम सरूसजइ में फर्स्ट गुवाहाटी स्मार्ट सिटी इंटरनेशनल ओपन फिडे रेटिंग चेस टूर्नामेंट 2024 प्रारंभ है, जिसका समापन 7 जुलाई को होगा। कुल 5 लाख की इस अंतर्राष्ट्रीय इनामी शतरंज प्रतियोगिता में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल सहित अपने देश के विभिन्न प्रांतो से कुल 275 खिलाड़ी आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण आकर्षक प्रतियोगिता में किशनगंज जिले के खिलाड़ी दिव्यांशु कुमार सिंह, रुद्र तिवारी, पलचीन जैन एवं हिमांश जैन भी हिस्सा ले रहीं हैं। यह जानकारी बुधवार को जिला शतरंज संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा चेस क्रॉप्स के सीईओ एवं उपरोक्त खिलाड़ियों के कोच कमल कर्मकार ने दी।

राजस्थान के सभी जिलों में पहुंचा मानसून, पांच जिलों में बारिश का अलर्ट

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के सभी जिलों में मानसून पहुंच चुका है। मंगलवार को नौ जिलों में बारिश हुई। श्रीगंगानगर में मानसून के प्रवेश के साथ ही दोपहर बाद मौसम बदला। तेज आंधी चली और बारिश हुई। इस दौरान शहर में एक बिजली का खम्भा पास खड़ी कार पर गिर गया। बुधवार को भी पांच जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर और जालोर जिलों को छोड़कर शेष सभी जिलों के लिए 4 और 5 जुलाई का यलो अलर्ट जारी किया है। 6 जुलाई को जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, पाली और जालोर को छोड़कर शेष सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून की गतिविधियों के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा का कहना है कि इस बार प्रदेश में 80 फीसदी क्षेत्र में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मानसून सही दिशा और गति से राजस्थान में प्रवेश कर रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान अलवर के सिलीसेड़ में 38, चूरू के सिद्धमुख में 48, तारानगर में 12, सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में नौ और भरतपुर में 25 मिमी बारिश हुई। उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, प्रतापगढ़ में भी कुछ स्थानों पर एक से लेकर 14 मिमी तक बारिश हुई। श्रीगंगानगर में मंगलवार को सुबह से लेकर दोपहर तक धूप और बादल के बीच लुकाछिपी का खेल चलता रहा। उमस के साथ तेज गर्मी रही। शाम होते-होते मौसम बदला, जिसके बाद लोगों को उमस से राहत मिली। राजस्थान में भले ही मानसून अब पूरी तरह छा गया हो, लेकिन गर्मी अब भी तेज है। मंगलवार को चार शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। श्रीगंगानगर के अलावा बीकानेर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.7, फलौदी 40 और जैसलमेर में 41.1 डिग्री सेल्सियस तापमान मापा गया। बाड़मेर में तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राजस्थान में अब छह जुलाई तक बारिश की गतिविधियां हल्की रहेंगी। जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर और जालोर में अगले चार दिन बारिश के कोई आसार नहीं हैं। शेष राजस्थान के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने और कहीं-कहीं बिजली चमकने, आंधी चलने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के कुछ शहरों में अगले दो-चार दिन गर्मी तेज होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर की ओर से बुधवार को झुंझुनूं, सीकर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर में मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है।

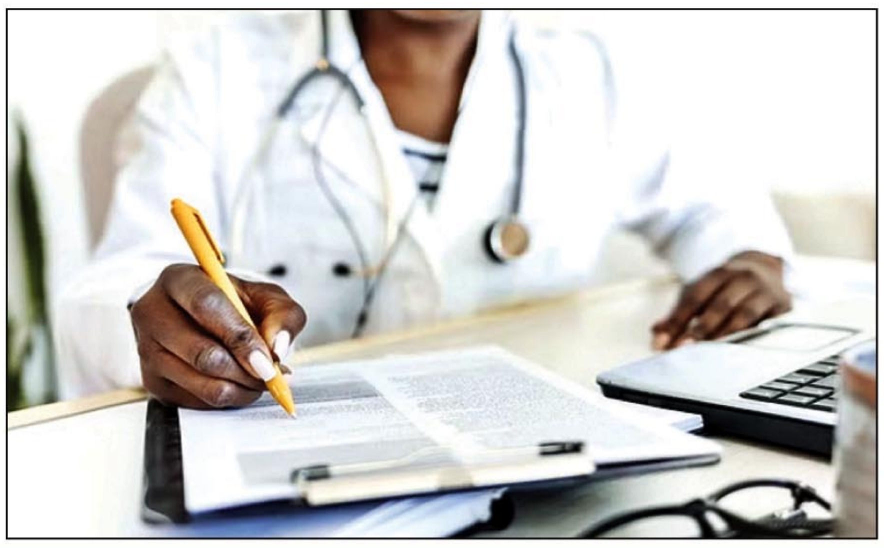

नए कारोबार और निर्यात बढ़ने से भारत के सेवा क्षेत्र में मजबूती आई, पीएमआई 60.2 से बढ़कर 60.5 पर पहुंचा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बिक्री में अभूतपूर्व विस्तार तथा नए ऑर्डरों में जोरदार वृद्धि के बीच देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून में तेज हुई जो मई में पांच महीने के निचले स्तर पर थी। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई के 60.2 से बढ़कर जून में 60.5 पर पहुंच गया।

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार का मतलब है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि वृद्धि जून में तेज हुई, सूचकांक 0.3 पीपीटी (प्रतिशत अंक) बढ़कर 60.5 हो गया, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों नए ऑर्डरों में वृद्धि हुई। इसने सेवा क्षेत्र के फर्मों को अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से अपने कर्मचारियों के स्तर को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मांग की ताकत और नए व्यवसाय से विकास को बढ़ावा मिला। भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिले नए ऑर्डर जून में लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे विस्तार का मौजूदा क्रम करीब तीन साल का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स में भी रिकॉर्ड विस्तार हुआ। एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और अमेरिका सभी जगहों से भारतीय सेवा क्षेत्र को काम मिला।

ग्राहकों की सकारात्मकता ने भारत में सेवा प्रदाताओं को पहली वित्तीय तिमाही के अंत में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया। अगस्त 2022 के बाद से सेवा क्षेत्र में रोजगार का स्तर सबसे तेज गति से बढ़ा, क्योंकि नए कार्यों के लिए अल्पकालिक और स्थायी कर्मचारियों को लिया गया था। कीमत के मोर्चे पर देखें तो, उच्च भोजन, ईंधन और श्रम लागत के कारण सेवा प्रदाताओं के औसत खर्चों में मामूली वृद्धि दिखी। मुद्रास्फीति की गति फिर भी चार महीनों में सबसे कमजोर रही। इसके बाद, बिक्री मूल्य भी फरवरी के बाद से सबसे धीमी गति से बढ़े।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेनों की रफ्तार 130 से बढ़ाकर 160 किमी प्रतिघंटा करने का लक्ष्य यात्रियों को होगी सुविधा

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार वाले रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा बाड़ लगाए जा रहे हैं। इसके तहत बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के लगभग 412 किलोमीटर लंबे ग्रैंड कॉर्ड रेलवे ट्रैक को कवर किया जा रहा है। इसमें से अब तक 231 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की फेंसिंग का कार्य पूरा हो चुका है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि प्रधानखंटा से धनबाद, गोमो, कोडरमा, गया, सोननगर होते हुए पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन तक 412 किलोमीटर रेलखंड में से 231 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की फेंसिंग का कार्य पूरा हो चुका है। मिशन रफ्तार के तहत देश में ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए काम हो रहा है। प्रमुख रेलमार्गों पर ट्रेनों की रफ्तार 130 से बढ़ाकर 160 किलोमीटर प्रतिघंटा तक करने का लक्ष्य है। इसी कड़ी में पूर्व मध्य रेल द्वारा प्रस्तावित 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति वाले रेलवे ट्रैक के दोनों किनारे सुरक्षा बाड़ लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 200 किलोमीटर में से 110 किलोमीटर रेलवे ट्रैक फेंसिंग का कार्य प्री-फैब्रिकेटेड सीमेंटेड स्लैब लगाकर पूरी की जा चुकी है। शेष 90 किलोमीटर का कार्य क्रैस बैरियर लगाकर शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसी तरह, धनबाद मंडल में आने वाले 175 किलोमीटर ग्रैंड कॉर्ड रेलखंड में सें 25 किलोमीटर लंबे घाट सेक्शन छोड़कर शेष 150 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की फेसिंग की जानी है, जिनमें से अब तक 121 किलोमीटर का कार्य प्री-फैब्रिकेटेड सीमेंटेड स्लैब लगाकर पूरा हो चुका है। प्री-फैब्रिकेटेड सीमेंट के ढलाई किए हुए स्लैब को दो पिलरों के मध्य स्थापित कर दिया जाता है तथा क्रैस बैरियर स्टील के दो पिलरों के मध्य एक सीमित ऊंचाई के अंतराल पर दो स्टील प्लेटों को लगाया जाता है। बताया जाता है कि फेंसिंग कार्य पूरा हो जाने के बाद इन रेलखंडों पर गाड़ियों का आवागमन और सुगम हो जाएगा, जिससे ट्रेनों का समय पालन बनाए रखने में मदद मिलेगी एवं अतिरिक्त ट्रेनों का परिचालन भी हो सकेगा।

पांच बैंकों में एफडी पर मिलेगा अब ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र का एक्सिस बैंक अब तीन करोड़ रुपये के जमा पर 17-18 महीने की अवधि के लिए अपने ग्राहकों को 7.20 फीसदी ब्याज देगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 7.75 फीसदी है। दो साल की अवधि के एफडी पर 7.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। बैंक सामान्य नागरिकों को एफडी पर तीन से 7.2 फीसदी के बीच ब्याज दे रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के लिएयह दर 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी के बीच है। बैंक एक जुलाई से अपने ग्राहकों को तीन करोड़ रुपये तक की एफडी पर 3.75 से लेकर 6.50 फीसदी तक ब्याज दे रहा है।वरिष्ठ नागरिकों के लिएब्याज दर सर्वाधिक 8.75 फीसदी है, जो 0.50 प्रतिशत ज्यादा है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, एक जुलाई से उसने भी एफडी पर ब्याज दरों में बदलाव लागू कर दिया है।इसके तहत तीन करोड़ रुपये से कम के जमा पर बैंक अपने ग्राहकों को 15 महीने से दो साल की अवधि के लिए 7.20 फीसदी तक ब्याज देगा। एक साल की अवधि के जमा पर वह 6.7 फीसदी ब्याज दे रहा है। ब्याज की सबसे कम दर 3.50 फीसदी है। वरिष्ठ नागरिकों को बैंक 7.75 फीसदी तक ब्याज देगा। बैंक ऑफ इंडिया दे रहा 7.80 फीसदी तक ब्याज बैंक ऑफ इंडिया की नई दरें 30 जून से लागू हैं।

रुपया पांच पैसे गिरकर 83.53 डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 83.53 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। तेल कंपनियों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा अमेरिकी डॉलर की खरीद ने निवेशकों की धारणा को और प्रभावित किया, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत रुख ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.51 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.48 पर बंद हुआ था।

हमारे फैसलों का देश की अर्थव्यवस्था पर असर : सीबीडीटी प्रमुख ने आयकर अधिकारियों को लिखा खत, पदभार संभाल की ये अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के नवनियुक्त चेयरमैन रवि अग्रवाल ने आयकर विभाग के अधिकारियों से कहा है कि उनके द्वारा लिए गए फैसलों का देश की अर्थव्यवस्था, कारोबार सुगमता और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन पर असर होगा। अग्रवाल (59) ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय में प्रत्यक्ष कर विभाग के प्रशासनिक निकाय के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। सरकार ने पिछले सप्ताह उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए थे। सीबीडीटी के नए प्रमुख ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को दो पेज का पत्र लिखा। पीटीआई के अनुसार उन्होंने पत्र में लिखा, हमें मिलकर एक पेशेवर विभाग बनाना चाहिए जो जांच की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ हो, करदाताओं की जरूरतों के प्रति संवेदनशील हो, प्रौद्योगिकी का जानकार हो और करदाताओं के प्रति हमारे दृष्टिकोण से अवगत हो।

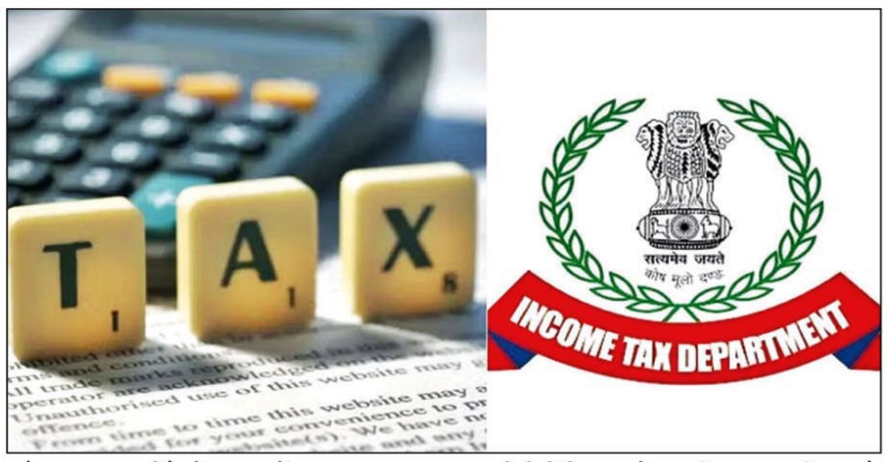

अग्रवाल ने जारी अपने संदेश में कहा, हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमने जो निर्णय लिए हैं उनका असर देश की अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन और कारोबार सहित व्यापार करने में आसानी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रत्येक विभाग को 100 दिन की कार्य योजना बनाने के लिए अनिवार्य किया है और इसलिए, वह विभागों से उम्मीद करते हैं कि वे अपनी 100-दिवसीय कार्य योजनाएं तैयार करें और समयबद्ध तरीके से पहल करें।

नए सीबीडीटी चीफ ने कहा, इन योजनाओं को प्रत्येक रेंज, चार्ज और क्षेत्र में उपयुक्त रूप से तैयार और कार्यान्वित किया जा सकता है। कृपया याद रखें कि आयकर विभाग की उपलब्धियां एक सामूहिक प्रयास है और प्रत्येक स्तर पर की गई पहल विभाग की उपलब्धियों को जोड़ती है।

उन्होंने विभाग को अपने संदेश में लिखा, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप अपने संबंधित कार्यक्षेत्रों और शुल्कों की लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाएं भी बनाएं। मैं आपके द्वारा तैयार की गई कार्य योजनाओं के बारे में संबंधित टीमों के साथ चर्चा करने की सराहना करूंगा।

अग्रवाल ने कहा कि वित्तीय लेनदेन की जटिलताएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं और वित्तीय लेनदेन की प्रकृति भी विकसित हो रही है। हम करदाताओं के एक व्यापक स्पेक्ट्रम को संबोधित करते हैं जो नए व्यक्तिगत करदाताओं से लेकर दुनिया भर में संचालन करने वाले संगठनों तक हैं। उन्होंने लिखा, आइए हम व्यवसायों और वित्तीय लेनदेन में नवीनतम रुझानों को समझने के साथ खुद को लैस करें ताकि हम पेशेवर दृष्टिकोण के साथ संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में सक्षम हों।

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों को वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानकारी इकट्ठा करने के लिए हितधारकों के साथ जुड़ना चाहिए और दूसरी तरफ हमारी प्रक्रियाओं में अपना विश्वास बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें अपनी प्रक्रियाओं में अधिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी प्रक्रियाएं कुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी हों, जिससे करदाताओं के बीच भरोसा और विश्वास बढ़े। उन्होंने कहा, आधुनिक तकनीक का लाभ उठाने से हमें संचालन को सुव्यवस्थित करने, अक्षमताओं को कम करने और करदाताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद मिली है।

अग्रवाल ने कहा कि जहां प्रौद्योगिकी संचालित प्रक्रियाओं, सरकारी प्रक्रिया में बदलाव और हितधारकों से जुड़ाव के जरिए हासिल की गई उपलब्धियों पर हमें गर्व है, वहीं हमें यह समझना होगा कि अभी भी कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सीबीडीटी और कर विभाग आठ करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने वालों तथा करीब 34 लाख कर कटौती करवाने वालों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रक्रिया लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जून में देश में ईवी वाहनों की बिक्री 14 फीसदी घटी

नई दिल्ली।

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में मई के मुकाबले जून के महीने में 14 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी नीतियों में बदलाव और हाइब्रिड वाहनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि जैसे कारकों की वजह से ऐसा हो सकता है। अलबत्ता जून 2024 की यह बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक रही। तब सब्सिडी में सरकारी बदलावों के कारण बिक्री में गिरावट आई थी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में ईवी की बिक्री मई में की गई 1,23,704 ईवी बिक्री की तुलना में 14 प्रतिशत से भी ज्यादा घटकर 1,06,081 रह गई। यह इस कैलेंडर वर्ष में बिक्री की सबसे कम संख्या है। इस साल अब तक करीब 8,39,545 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं जो कुल बिके 1,25,41,684 वाहनों का करीब 6.69 प्रतिशत है। ईवी के मामले में इस साल और पिछले साल जून सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला महीना रहा है। हालांकि जून 2024 में बड़ा सुधार नजर आया जिसमें 1,23,704 वाहनों का पंजीकरण किया गया जो जून 2023 में पंजीकृत 1,02,645 वाहनों की तुलना में 20.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पिछले साल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी को लगभग 60,000 रुपए से घटाकर लगभग 22,500 रुपए करने के केंद्र सरकार के फैसले की वजह से ईवी की बिक्री में गिरावट आई थी। इस कदम से ई-दोपहिया वाहनों की औसत कीमत में 20 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हो गया जो आम तौर पर 80,000 से 1,50,000 रुपए के बीच होती है।

सोना 71,700, चांदी भी 88 हजार के पार

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 159 रुपये की तेजी के साथ 71,713 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 167 रुपये की तेजी के साथ 71,721 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 404 रुपये की तेजी के साथ 88,286 रुपये पर खुला। इस समय यह 540 रुपये की तेजी के साथ 88,422 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,338.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,333.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,337.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.81 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.65 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 29.85 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत-म्यांमार के बीच रुपया-क्यात व्यापार तंत्र की हुई शुरुआत

नई दिल्ली।

रुपया-क्यात व्यापार निपटान तंत्र के जरिए भारत से म्यांमार को एक करोड़ रुपये से अधिक के दालों के निर्यात की सुविधा पहली बार सफलतापूर्वक प्रदान की गई है। नई प्रणाली के तहत निष्पादित इस लेन-देन से द्विपक्षीय व्यापार को काफी बढ़ावा मिलने और स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भारत के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के यांगून कार्यालय की ओर से रुपया क्यात सेटलमेंट मैकेनिज्म के तहत एक करोड़ रुपये से अधिक के दाल निर्यात का पहला लेन-देन सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। यह लेनदेन भारत और म्यांमार के बीच व्यापार लेनदेन को सरल बनाएगा और उन्हें और अधिक कुशल बनाएगा। यांगून में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से रुपी-क्यात व्यापार निपटान तंत्र की परिचालन स्थिति की घोषणा की। दूतावास ने दोनों देशों के व्यवसायों को इस सुव्यवस्थित व्यापार प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सेंट्रल बैंक ऑफ म्यांमार ने इस साल 26 जनवरी को स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट (एसआरवीए) के तहत भुगतान प्रक्रियाओं के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। नया तंत्र समुद्री और सीमा व्यापार दोनों के लिए और स्थानीय मुद्राओं में सीधे भुगतान करके वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के लिए लागू होगा।

भारतीय मिशन ने भारत-म्यांमार चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएमसीसी) के साथ मिलकर तंत्र के लाभों को उजागर करने के लिए फरवरी में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया था। इस प्रणाली से व्यापार लेन-देन को सरल बनाने और मुद्रा रूपांतरण से जुड़ी लागत को कम करने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया को अंततः और अधिक कुशल बना दिया गया है।

पीएम ने राज्यसभा में सुधा मूर्ति का किया धन्यवाद पूर्व इंफोसिस चेयरपर्सन ने की है यह मांग

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति की भी प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं से जुड़े अहम मुद्दे सदन में उठाने के लिए इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व चेयरपर्सन सुधा मूर्ति का धन्यवाद किया। समाजसेवी, लेखिका और इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व चेयरपर्सन रहीं सुधा मूर्ति ने 2 जुलाई को राज्यसभा में अपने पहले संबोधन में सरकार की ओर से प्रायोजित टीकाकरण कार्यक्रम की वकालत की थी। अपने भाषण में मूर्ति ने मनु स्मृति के एक प्रसिद्ध श्लोक का पाठ किया- यत्र नर्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता, यत्रितास्तु न पूज्यन्ते सर्वस्तत्रफला: क्रिया:। मतलब जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है, वहाँ देवत्व खिलता है, और जहाँ भी स्त्रियों का अपमान होता है, वहाँ सभी कर्म चाहे कितने ही महान क्यों न हों, निष्फल रहते हैं। सुधा मूर्ति ने कहा कि किसी भी परिवार में अगर मां अगर चली गई तो उसकी कोई क्षतिपूर्ति नहीं।

महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए भी टीकाकरण अभियान चले - इन्फोसिस फाउंडेशन की पूर्व चेयरपर्सन रही सुधा मूर्ति ने राज्यसभा में अपने पहले ही भाषण में दो अहम मुद्दे उठाए। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने मांग की कि जिस तरह कोरोना काल में टीकाकरण अभियान चलाया गया था, उसी तरह महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए भी टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं में इस बीमारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इससे बचाव के लिए किशोरावस्था में इसके टीके लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। सुधा मूर्ति ने कहा कि हमारी सामाजिक व्यवस्था ऐसी है जिसमें महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पातीं। जब वे अस्पताल पहुंचती हैं तो उनमें सर्वाइकल कैंसर तीसरे या चौथे स्टेज पर होता है। उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि उनके पिता कहते थे कि महिलाएं परिवार का केंद्र होती हैं और महिला के निधन के बाद पति को तो दूसरी पत्नी मिल जाती है लेकिन बच्चों को दूसरी मां नहीं मिलती। सुधा मूर्ति ने सवाल किया कि कोविड काल में जब कोरोना से बचाव के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया गया तो महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए अभियान क्यों नहीं चलाया जा सकता अगर सरकार हस्तक्षेप करे तो यह महंगा भी नहीं होगा। मूर्ति ने कहा कि इससे देश की एक बड़ी आबादी को लाभ होगा। देश के अनजान पर्यटन स्थलों को विकसित करने पर ध्यान देने की बात कही देश के पर्यटन क्षेत्र का जिक्र करते हुए सुधा मूर्ति ने कहा, लोग अक्सर अजंता, एलोरा और ताजमहल देखने जाते हैं। लेकिन भारत में 42 धरोहर स्थल हैं जिनका न तो अधिक प्रचार प्रसार किया गया है और न ही उनके बारे में लोगों को जानकारी है। यह हमारा देश है और हमें इसकी संस्कृति की जानकारी होनी चाहिए। सुधा मूर्ति ने कहा कि दक्षिणी राज्यों में ही कई ऐसे स्थान हैं जिनका इतिहास बेहद गौरवशाली है। त्रिपुरा में उनाकोटी के बारे में कोई नहीं जानता जबकि यह स्थान 12,500 साल से भी अधिक पुराना है।

भारत का कोयला उत्पादन जून में 14.5 प्रतिशत बढ़कर 84.6 मिलियन टन पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारत का कोयला उत्पादन जून में रिकॉर्ड 14.5 प्रतिशत बढ़कर 84.63 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले पिछले वर्ष समान अवधि में 73.92 मिलियन टन था. कोयला मंत्रालय की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा जून में 63.10 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया. इसमें सालाना आधार पर 8.87 प्रतिशत की बढ़त हुई है. पिछले वर्ष यह 57.96 मिलियन टन था। वहीं, अन्य कंपनियों द्वारा बीते महीने 16.03 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया. पिछले वर्ष के मुकाबले इसमें 55.49 प्रतिशत की बढ़त हुई है। जून 2024 में सीआईएल की ओर से 64.10 मिलियन टन कोयला पहुंचाया गया. इसमें सालाना आधार पर 5.41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. पिछले वर्ष समान अवधि में ये आंकड़ा 60.81 मिलियन टन था. वहीं, अन्य कोल कंपनियों की ओर से जून में 16.26 मिलियन टन (प्रोविजनल) कोयला पहुंचाया गया. इसमें 43.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 11.30 मिलियन टन था।

5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं आईपीएल टीमें : मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में, पर्स में हो सकता है 20 करोड़ का इजाफा

नई दिल्ली।
इंडियन प्रीमियर लीग की टीमों ने अगले तीन सीजन के लिए प्लेयर रिटेंशन की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 10 फ्रेंचाइजी की राय अलग-अलग रही, लेकिन अधिकांश ने पहले की तुलना में अधिक रिटेंशन की मांग की है। ज्यादातर टीमें अपने 5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं। इसमें से एक ने आठ का सुझाव भी दिया है। वहीं कुछ टीमों ने कोई भी रिटेंशन नहीं होना चाहिए, ऐसा सुझाव दिया है। मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में हो सकता है। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर नियम बने रहने की उम्मीद है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2021 में फ्रेंचाइजी को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी थी। इसमें तीन से अधिक भारतीय और दो से अधिक विदेशी खिलाड़ी नहीं हो सकते थे। मालिकों की एक मीटिंग में अंतिम होगा फैसला रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने रिटेंशन पॉलिसी को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू की है। इस महीने के अंत में मालिकों की एक मीटिंग में अंतिम फैसले के बाद घोषणा होने की उम्मीद है। बैठक तब होने की उम्मीद है जब सभी मालिक हिस्सा लेने के लिए उपलब्ध होंगे।

क्या है खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम

अभी नीलामी के लिए रिटेन के नियम के मुताबिक एक टीम ज्यादा से ज्यादा 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। वहीं एक खिलाड़ी को राइट टु मैच कार्ड के साथ अपने साथ जोड़ा जा सकता था। ऐसे में टीमों को पांच खिलाड़ियों को रिटेन का मौका मिलता है। किसी भी टीम को अधिकतम 2 विदेशी खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत है।

टीमें पर्स की रकम भी बढ़ाना चाहती हैं

इसके अलावा टीमें ने ऑक्शन पर्स भी बढ़ाना चाहती हैं। इस बार पर्स में भी 20 करोड़ का इजाफा हो सकता है। अभी मेगा ऑक्शन में प्रत्येक टीम के पास नीलामी के लिए 100 करोड़ रुपए रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीकी टीम मजबूत वापसी करेगी : मिलर

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर टी20 विश्व कप के फाइनल में मिली हार के बाद से ही बेहद निराश हैं।

मिलर ने कहा कि इस प्रकार जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पाने को वह स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं हालांकि उनका मानना है कि टीम इस हार से उबरकर मजबूत वापसी करेगी। मिलर के अनुसार इस टीम में जुनून है और क्षमताएं हैं जिससे उसका स्तर बेहतर होता जाएगा। उनकी टीम ने इस विश्वकप में फाइनल से पहले के सभी मैच जीतकर दिखाया है कि उसे दबाव में भी खेलना आता है। मिलर ने लिखा, 'मैं बहुत निराश हूं, जो हुआ उसे मानना मेरे लिए काफी कठिन है। मेरे पास अपनी भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द नहीं है। मुझे हालांकि इस टीम पर बेहद गर्व है। फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपने अभियान में कई करीबी मैचों में जीत दर्ज की पर टीम खिताबी मुकाबले में जीत के करीब होने के बाद अंतिम पांच ओवर में बिखर गई थी। मिलर ने कहा, 'इस टूर्नामेंट में हमारा सफर शानदार रहा। हमने पूरे महीने कई उतार-चढ़ाव देखे। हमने कठिन हालातों का सामना किया। मैं हालांकि जानता हूं कि इस टीम में जज्बा है और वह अपना स्तर ऊंचा करती रहेगी। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम पांच ओवर में 30 रन चाहिए थे पर इसके बाद जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी से मैच में भारतीय टीम हावी हो गयी थी। अंतिम ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रनों की जरूरत की और मिलर ने एक बड़ा शॉट खेला था पर सूर्यकुमार ने बेहद कठिन कैच पकड़कर मिलर को पेवेलियन वापस भेज दिया था।

9 साल के अद्वेय अग्रवाल ने नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। दिल्ली के 9 वर्षीय प्रतिभावान अद्वेय अग्रवाल ने ओडिशा, कटक में जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम पर आयोजित 12वीं मिनी और छठी चाइल्ड नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले अग्रवाल ने दिल्ली राज्य स्तर और दिल्ली जिला चैंपियनशिप में अंडर-10 श्रेणी में जीत दर्ज की थी। फोइल के साथ फेंसिंग करने वाले अद्वेय ने शानदार शैली का प्रदर्शन किया और वो अपराजित रहे। अद्वेय को सेमीफाइनल और फाइनल में कड़ी प्रतिस्पर्धा मिली, लेकिन वो गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब रहे। बता दें कि अद्वेय ने ओडिशा के पटेल ओम शंकर को मात दी, जिन्होंने सिल्वर मेडल जीता। पंजाब के सिमरनजीत सिंह ने ब्रॉन्ज जीता, जिन्हें अद्वेय से शिकस्त मिली थी। याद दिला दें कि इस चैंपियनशिप में देशभर से करीब 550 युवा फेंसर्स ने हिस्सा लिया। अद्वेय अग्रवाल ने बताया कि उनका सपना ओलंपिक्स में एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करना है। अद्वेय रोहिनी के दिल्ली पब्लिक स्कूल का हिस्सा हैं और उन्हें सुनील सर (पीगासुस रॉयल फेंसिंग क्लब, दिल्ली) कोचिंग दे रहे हैं। अद्वेय अग्रवाल ने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतना सपना साकार होने जैसा है। मेरा लक्ष्य लगातार सुधार करना है और उम्मीद है कि ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा।

पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया, 40 से अधिक उम्र के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

यह पहली बार है जब हॉकी इंडिया इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है। टूर्नामेंट की तारीखों और स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। इन खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया की सदस्य इकाई की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। यह ऐसा आयोजन होगा जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून को मान्यता देगा। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति उनके स्थायी प्रेम के जश्न के साथ हॉकी में उनके अमूल्य योगदान का एक प्रमाण है।

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा उलटफेर का शिकार हुई, इस गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से मिली हार

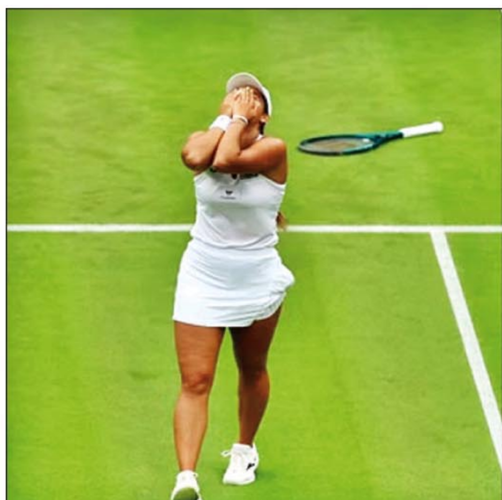

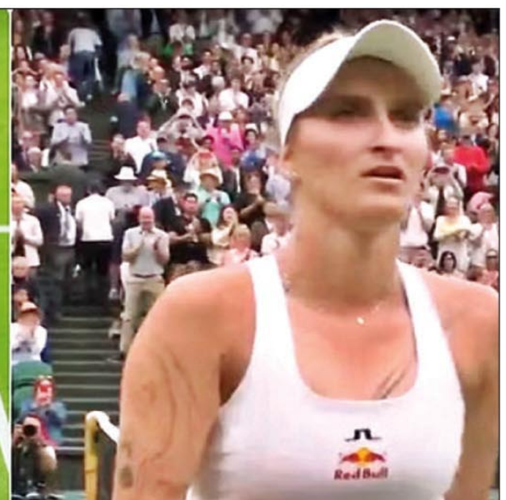

लंदन।
गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा का खिताब का बचाव का अभियान विंबलडन के पहले ही दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में टूर्नामेंट में यह पहला बड़ा उलटफेर है।

जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। 1994 में स्टेफी ग्राफ के पहले दौर में बाहर होने के बाद यह पहली बार है जब विंबलडन की गत चैंपियन टीम का सफर शुरुआती दौर में ही समाप्त हुआ है। वोंद्रोसोवा पहले ही राउंड में संघर्ष करती दिखीं और उन्होंने 28 बेजां भूलें की।

हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं और मैच के बाद जेसिका से हाथ मिलाने के दौरान उनके चेहरे पर इस हार का दुख साफ झलक रहा था। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं। मैं अपने प्रदर्शन से आश्चर्यचकित थी और शुरुआत में थोड़ी नर्वस भी थी, पहले गेम के बाद यहां का माहौल काफी अच्छा लगा और लग रहा था कि मैं घर में खेल रही हूं।

ओसाका-गॉफ भी अगले दौर में पहुंचीं

नाओमी ओसाका ने विंबलडन में छह साल में पहली जीत दर्ज की जब वह डियाने पैरी को हराकर महिला सिंगल्स वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। आसोका ने पहले दौर के कड़े मुकाबले में पैरी को 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। ओसाका पांच साल विंबलडन में खेली भी नहीं। दो बार की यूएस और ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता ओसाका 2019 में पहले दौर में हार के बाद पहली बार विंबलडन में हिस्सा ले रही हैं। गत यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ और 2021 की यूएस ओपन विजेता ऐमा राडुकानु भी जीत दर्ज करने में सफल रहे।

तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए तैयारी कर रही है सिंधु

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम करना चाहती हैं। सिंधु ने इससे पहले रियो और टोक्यो में रजत और कांस्य पदक जीते थे। ऐसे में सिंधु इस बार स्वर्ण जीतना चाहेंगी। सिंधु ने एक कार्यक्रम में कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं है। सिंधु का मानना है कि उन्हें ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें अपने कौशल को और निखारते हुए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है पर इसके साथ ही स्मार्ट होना भी जरुरी है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' सिंधु अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी। सिंधु ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस द्वी सैंटोसो इसपर काम कर रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में पारंगत होना जरुरी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं क्योंकि आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है, जीत के लिए सभी प्रकार से खेलना आना चाहिये।

भारतीय टीम बारबाडोस से स्पेशल चार्टर्ड फ्लाइट से निकली, नई दिल्ली में इस समय पर पहुंचेगी रोहित ब्रिगेड

नई दिल्ली।
भारतीय टीम स्पेशल चार्टर्ड के जरिये बारबाडोस से निकल चुकी है और फ्लाइट नई दिल्ली पर लैंड करेगी। भारतीय टीम बारबाडोस में चक्रवाती तूफान बेरिल के कारण पिछले तीन दिनों से यही फंसी हुई थी। तूफान के कारण एयरपोर्ट बंद किया गया था, लेकिन इसे चालू किया गया। ब्रिजटाउन से भारतीय टीम रवाना हुई है। नई दिल्ली पर लैंड कर जाएगी। बता दें कि ब्रिजटाउन छोड़ने के लिए समय सीमित था, क्योंकि यहां एक और तूफान आने की संभावना जताई गई है।

भारतीय टीम ने खत्म किया सूखा

बता दें कि रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने 11 साल का आईसीसी खिताबी सूखा समाप्त किया। टीम इंडिया ने 17 साल के बाद दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से मात देकर खिताब अपने नाम किया था। रोहित शर्मा भारत को विश्व कप खिताब दिलाने वाले तीसरे कप्तान बने।

तीन दिग्गजों का संन्यास

भारतीय टीम के टी20 वर्ल्ड कप 2024 चैंपियन बनने के बाद तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 इंटरनेशनल प्रारूप को अलविदा किया। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने फटाफट प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की भी खिताब के साथ विदाई हुई।

भारत में जोरदार तैयारी

भारतीय टीम के स्वागत के लिए देश में जोर-शोर से तैयारी चल रही है। उम्मीद की जा रही है कि भारतीय टीम दिल्ली में पहले प्रधानमंत्री से मुलाकात करेगी और फिर मुंबई रवाना होगी। मुंबई में भारतीय टीम ट्रॉफी के साथ एक ओपन बस परेड करेगी, जहां वो अपने फैंस के साथ खिताब जीतने का जश्न मनाएगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग ने भी भारतीय टीम को आमंत्रण भेजा है।

अर्जेंटीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम में मेसी को जगह नहीं, विश्व विजेता टीम के सिर्फ चार खिलाड़ी

ब्यूनस आयर्स।
लियोनल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं।

इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी।

ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे।

हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष सुमरिवाला ने नीरज को सराहा, ओलंपिक को लेकर कही ये बात

मुंबई।
भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की सराहना की है। सुमरिवाला ने कहा कि नीरज चोपड़ा शांतचित खिलाड़ी हैं, जो दबाव को कभी हावी नहीं होने देते है और दूसरे भारतीय खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

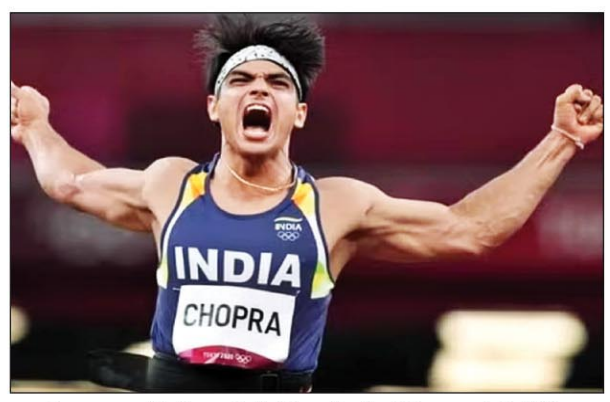

नीरज इस महीने के आखिरी में पेरिस ओलंपिक में एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। सुमरिवाला ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन पहले से बेहतर होगा, लेकिन उन्होंने यह अनुमान लगाने से इनकार कर दिया कि देश कितने पदक जीतेगा। उन्होंने कहा कि नीरज की सबसे बड़ी ताकत दबाव को सोखने की है। वह बड़े मैचों में दबाव को हावी नहीं होने देता है इसलिए थ्रो के साथ भी पदक जीत लेता है। सुमारिवाला ने एक कार्यक्रम में नीरज के बारे में कहा, एक तरफ नीरज है और दूसरी तरफ बाकी सब एथलीट हैं। जहां तक नीरज का सवाल है तो वह काफी शांतचित और एकाग्र है। वह उनमें से एक हैं जो दबाव को हावी नहीं होने देता है। वह न तो अतीत के बारे में सोचता है और ना ही भविष्य की ज्यादा चिंता करता है। वह मौजूदा क्षण के बारे में सोचता है और यही उसका सबसे मजबूत पक्ष है। अगर आप उससे पूछें, क्या आपको डर लगता है तो वह कहेगा, डर तो सबको लगता है, लेकिन तनाव नहीं लेना चाहिए। सुमरिवाला ने कहा, मैं प्रतिस्पर्धा में जाने से पहले हमेशा इन खिलाड़ियों से वार्मअप क्षेत्र में बातचीत करता हूं। वह कहता है कोई तनाव नहीं है, आप तनाव मत लो मैं कर दूंगा। एएफआई अध्यक्ष को उम्मीद है कि नीरज पेरिस ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीतेंगे। उन्होंने कहा, क्या मैं भविष्यवाणी कर सकता हूं कि वह एक और स्वर्ण जीतेगा ऐसा करना बहुत कठिन है। उनकी ताकत उनकी निरंतरता है। आज दुनिया में कम से कम चार-पांच खिलाड़ी हैं जो 90 मीटर से अधिक थ्रो करते हैं जो नीरज ने कभी नहीं किया है।

वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में प्रभावित नहीं कर सके सुमित नागल, पहले दौर में हारकर हुए बाहर

लंदन।
भारत के स्टार सिंगल्स टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विबंलडन में प्रभावित नहीं कर सके और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। नागल ने सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 44 सहज गलतियां की और चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहली बार हिस्सा ले रहे नागल को दो घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 53वें नंबर के खिलाड़ी केकमानोविच के खिलाफ नागल ने एक सेट जीता। भारत के 72वीं रैंकिंग वाले 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 47 विनर भी लगाए लेकिन कुल मिलाकर उन्हें घास के कोर्ट पर संघर्ष करना पड़ा। अंत में नागल केकमानोविच के 122 अंक के मुकाबले केवल 104 अंक ही जुटा पाए। सर्बियाई खिलाड़ी ने छह ऐस लगाए और केवल दो डबल फॉल्ट किए। यह केकमानोविच की नागल के खिलाफ दो मैच में दूसरी जीत है। उन्होंने चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में एटीपी 250 प्रतियोगता में भी नागल को हराया था। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके नागल पांच साल में विंबलडन पुरुष सिंगल्स मुख्य ड्रॉ का मैच खेलने वाले पहले भारतीय हैं। प्रजनेश गुणेश्वरन 2019 में पहले दौर से बाहर हो गए थे। मौजूदा सत्र में शानदार रहा था प्रदर्शन नागल का मौजूदा सत्र शानदार रहा है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालिफाई किया था। उन्होंने शुरुआती दौर में कजाखस्तान के 31वें वरीय एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराया था और 35 साल में किसी ग्रैंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने थे। नागल ने एटीपी 1000 प्रतियोगिता इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालिफाई किया था।

बजरंग ने नाडा पर लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने आरोप लगाया है कि नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) उनका करियर समाप्त करना चाहती है। इसलिए उन्हें एक ही मामले को लेकर दो-दो बार निलंबित किया गया है। बजरंग के अनुसार नाडा ने सभी तथ्यों को परे रखकर काम किया है। इससे साफ है कि उन्हें परेशान कर खेल छोड़ने के लिए विवश किया जा रहा है। बजरंग को नाडा ने पहले 5 मई और उसके बाद 23 जून को दोबारा निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही उन्हें नोटिस देकर 11 जुलाई तक जवाब देने को कहा है। वहीं बजरंग ने कहा कि नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाकर बाहर कर दिया जाता है। साथ ही सवाल किया कि नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता है। वो इस बात का जवाब क्यों नहीं देते हैं कि कैसे एक गलत किट उन्हें दी गयी। इसके अलावा सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव बनाया। नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगली कुश्ती की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे। वहीं नाडा का कहना है कि बजरंग को जांच के लिए सैंपल नहीं देने के लिए निलंबित किया गया था।

देश में सोलर कार पर काम...

वाराणसी में आईआईटी, बीएचयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने एक सोलर कार तैयार की है। यह सोलर कार ईंधन तो बचाएगी ही, साथ ही इसमें एसी भी चलाया जा सकेगा। हालांकि एसी को कम समय के लिए ही चलाया जा सकेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह कार बाजार में उपलब्ध हो सकेगी। अभी कार की इलेक्ट्रिक प्रणाली को सौर ऊर्जा पैनल से जोड़ा गया है। कार की छत पर लगाया गया सौर ऊर्जा पैनल इसकी बैटरियों को ऊर्जा देगा। यह प्रोजेक्ट टाटा मोटर्स के सहयोग से चलाया जा रहा है। सोलर पैनल छत पर लगे होने के कारण कार के अंदर गर्मी नहीं होगी। एक बार एसी चलाकर थोड़ी देर में इसे बंद कर दिया जाय तो कार में काफी देर तक ठंडक बनी रहेगी। एक कार को कम से कम 400 किलोवाट ऊर्जा की जरूरत होगी। फिलहाल सौर ऊर्जा से करीब 180 वाट ऊर्जा ही मिल रही है। ऐसे में बाकी की ऊर्जा के लिए डीजल और बायो डीजल के मिश्रण का इस्तेमाल होगा।

धार्मिक दृष्टि से आहार...

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आहार का सेवन किया जाता है। धार्मिक दृष्टि से आहार शुद्ध और पवित्र होना आवश्यक है। उपनिषदों में कहा गया है कि 'जैसा अन्न वैसा मन' अर्थात हम जैसा भोजन करते हैं, उसी के अनुसार हमारा मानसिक विकास होता है। शुद्ध एवं उचित आहार भगवान की उपासना का एक अंग है। भोजन करते समय किसी भी अपवित्र खाद्य पदार्थ को ग्रहण करना निषिद्ध है। यही कारण है कि भोजन करने से पूर्व भगवान को भोग लगाने का विधान है जिससे कि हम केवल शुद्ध और उचित आहार ही ग्रहण करें। श्रीमदभगवद् गीता के सत्रहवें अध्याय में भोजन के तीन प्रकारों सात्विक, राजसिक एवं तामसिक का उल्लेख मिलता है। सात्विक आहार शरीर के लिए लाभकारी होते हैं और आयु, गुण, बल, आरोग्य तथा सुख की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार के आहार में गौ घृत, गौ दुग्ध, मक्खन, बादाम, काजू, किशमिश आदि मुख्य हैं। राजसिक भोजन कड़वे, खट्टे, नमकीन, गर्म, तीखे व रुखे होते हैं। इसके सेवन से शरीर में दुख, शोक, रोग आदि उत्पन्न होने लगते हैं। इमली अमचूर, नींबू, छाछ, लाल मिर्च, राई जैसे आहार राजसिक प्रकृति के माने गए हैं। तामसिक भोजन किसी भी दृष्टि से शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते। बासी, सड़े-गले, दुर्गंध युक्त, जूठे, अपवित्र और त्याज्य आहार तामस भोजन के अंतर्गत माने जाते हैं। श्रीमद्भागवद गीता के अनुसार सात्विक भोजन करने वाला दैवी सम्पत्ति का स्वामी होता है।

रसोई और वास्तु...

घर के महत्वपूर्ण हिस्सों में से रसोई भी एक है। अगर इस भाग में वास्तुदोष हो तो घर में रहने वाले लोगों की सेहत और कमाई पर वह अपना बुरा प्रभाव डालता है। रसोई व्यवस्थित, शुद्ध और साफ-सुथरी होनी चाहिए। ऐसी रसोई में देवी-देवता अपना स्थाई वास बना लेते हैं जिससे घर में कभी भी धन और सुख-समृद्धि की कमी नहीं रहती। रसोई में मंदिर बनाने से पारिवारिक सदस्यों के स्वभाव में गुस्सा और असहनशीलता आती है। रसोई में स्टोर बनाने से जॉब अथवा व्यापार में तरक्की नहीं हो पाती। जिस घर में रसोई और वॉशरूम एक सीध में हो वहां के सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहती हैं। बेटियों के जीवन में भी अशांति रहती है। मुख्यद्वार के बिल्कुल सामने किचन का होना अपशगुन का प्रतीक होता है। बिना नहाए रसोई में जाने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। रसोई का इंटीरियर वास्तु के अनुसार सेट न किया हो तो सेहत और कमाई के साधनों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। दक्षिण-पूर्व दिशा में बना किचन अन्न-धन के भंडार भरता है। सिंक को रसोई के उत्तर-पूर्व में बनवाएं। जल और अग्नि में वैर भाव होता है इसलिए सिंक और चूल्हे को एक सीध में नहीं रखना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को दक्षिण पूर्व अथवा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। गैस स्टोव और इंडक्शन चूल्हे को दक्षिण पूर्व दिशा में रखें, दीवार से कम से कम 3 इंच की दूरी होनी चाहिए और चूल्हे के ऊपर शेल्फ नहीं होनी चाहिए।

ईश्वर कौन है, कहां है, कैसा है?

मात्र सृष्टि संचालन ही ईश्वर का काम नहीं है चूंकि हमारा संबंध उसके साथ इसी सीमा तक है, अपनी मान्यता यही है कि वह इसी क्रिया-प्रक्रिया में निरत रहता होगा, अतः उसे दिखाई भी देना चाहिए। मनुष्य की यह आकांक्षा एक बाल कौतुक ही कही जानी चाहिए क्योंकि अचिन्त्य, अगोचर, अगम्य परमात्मा- पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना के रूप में अपने ऐश्वर्यशाली रूप में सारे ब्रह्माण्ड में, इको सिस्टम के कण-कण में व्याप्त है। ईश्वर कैसा है व कौन है, यह जानने के लिए हमें उसे सबसे पहले आत्मविश्वास- सुदृढ़ आत्म-बल के रूप में अपने भीतर ही खोजना होगा। ईश्वर सद्गुणों का- सत्प्रवृत्तियों का- श्रेष्ठताओं का समुच्चय है जो अपने अंदर जिस परिमाण में जितना इन सद्गुणों को उतारता चला जाता है, वह उतना ही ईश्वरत्व से अभिपूरित होता चला जाता है। ईश्वर रसो वैसैः के रूप में भी विद्यमान है तथा वेदान्त के तत्त्वमसि, अयमात्मा ब्रह्म के रूप में भी। व्यक्तित्व के स्तर को जीवो ब्रह्मैव नापरः की उक्ति के अनुसार परिष्कात कर परमहंस- स्थित प्रज्ञ की स्थिति प्राप्त कर आत्म साक्षात्कार कर लेना ही ईश्वर दर्शन है-आत्म साक्षात्कार है- जीवन्मुक्त स्थिति है।

भ्रांतियां भी कम नहीं

ईश्वर के संबंध में भ्रांतियां भी कम नहीं हैं। बालबुद्धि के लोग कशाय कल्मषों को धोकर साधना के राज- मार्ग पर चलने को एक झंझट मानकर सस्ती पगडंडी का मार्ग खोजते हैं। उन्हें वही शार्टकट पसन्द आता है। वे सोचते हैं कि दृष्टिकोण को घटिया बनाए रखकर भी थोड़ा बहुत पूजा उपचार करके ईश्वर को प्रसन्न भी किया जा सकता है व ईश्वर विश्वास का दिखावा भी। जबकि ऐसा नहीं है। उपासना, साधना, आराधना की त्रिविध राह पर चल कर ही ईश्वर दर्शन संभव है। ईश्वर कौन है, कैसा है- यह जान लेने पर, वह भी रोजमर्रा के उदाहरणों से विज्ञान सम्मत शैली द्वारा समझ लेने पर किसी को भी कोई संशय नहीं रह जाता कि आस्तिकता का तत्त्व दर्शन ही सही है। यह इसलिए भी जरूरी है कि ईश्वर विश्वास यदि धरती पर नहीं होगा तो समाज में अनीति मूलक मान्यताओं, वर्जनाओं को लांघकर किए गए दुष्कर्म का ही बाहुल्य चारों ओर होगा, कर्मफल से फिर कोई डरेगा नहीं और चारों ओर नरपशु, नरकीटकों का या जिसकी लाठी उसकी भैंस का शासन नजर आएगा।

कर्मों के प्रति सजगता

अपने कर्मों के प्रति व्यक्ति सजग रहे, इसीलिए ईश्वर विश्वास जरूरी है। कर्मों के फल को उसी को अर्पण कर उसी के निमित्त मनुष्य कार्य करता रहे, यही ईश्वर की इच्छा है। ईश्वर शब्द बड़ा अभव्यंजनात्मक है। सारी सृष्टि में जिसका ऐश्वर्य छाया पड़ा हो, चारों ओर जिसका सौंदर्य दिखाई देता हो- सृष्टि के हर कण में उसकी झांकी देखी जा सकती हो, वह कितना ऐश्वर्यशाली होगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसीलिए उसे अचिन्त्य बताया गया है। इस सृष्टि में यदि हर वस्तु का कोई निमित्त कारण है- कर्ता है, तो वह ईश्वर है। वह बाजीगर की तरह अपनी सारी कठपुतलियों को नचाया करता है व ऊपर से बैठकर तमाशा देखता रहता है। यही पर ब्रह्म- ब्राह्मी चेतना जिसे हर श्वास में हर कार्य में, हर पल अनुभव किया जा सकता है- सही अर्थों में ईश्वर है। प्राणों के समुच्चय को जिस प्रकार महाप्राण कहते हैं, ऐसे ही आत्माओं के समुच्चय को- सर्वोच्च सर्वोत्कृष्टता को- हम सब के परमपिता को परमात्मा कहते हैं।

नास्तिकवाद का कथन

नास्तिकवाद का कथन यह है कि इस संसार में ईश्वर नाम की कोई वस्तु नहीं क्योंकि उसका अस्तित्व प्रत्यक्ष उपकरणों से सिद्ध नहीं होता। अनीश्वरवादियों की मान्यता है कि जो कुछ प्रत्यक्ष है, जो कुछ विज्ञान- सम्मत है केवल वही सत्य है। चूंकि वैज्ञानिक आधार पर ईश्वर की सत्ता का प्रमाण नहीं मिलता इसलिए उसे क्यों मानें? इस प्रतिपादन पर विचार करते हुए हमें यह सोचना होगा कि अब तक जितना वैज्ञानिक विकास हुआ है क्या वह पूर्ण है? क्या उसने सृष्टि के समस्त रहस्यों का पता लगा लिया है? यदि विज्ञान को पूर्णता प्राप्त हो गई होती तो शोध कार्यों में दिन- रात माथापच्ची करने की वैज्ञानिकों को क्या आवश्यकता रह गई होती? बात यह है कि विज्ञान का अभी अत्यल्प विकास हुआ है। उसे अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। कुछ समय पहले तक भाप, बिजली, पेट्रोल, एटम, ईथर आदि की शक्तियों का कौन जानता था, पर जैसे- जैसे विज्ञान में प्रौढ़ता आती गई यह शक्तियां खोज निकाली गईं। यही जड़ जगत की खोज है। चेतन जगत सम्बन्धी खोज तो अभी प्रारंभिक अवस्था में ही है।

हमारे साधन ही स्वल्प

बाह्य मन और अंतर्मन की गतिविधियों को शोध से ही अभी आगे बढ़ सकना संभव नहीं है। यदि हम अधीर न हों तो आगे चलकर जब चेतन जगत के मूल तत्त्वों पर विचार कर सकने की क्षमता मिलेगी तो आत्मा और परमात्मा का अस्तित्व भी प्रामाणिक होगा। ईश्वर अप्रामाणिक नहीं है। हमारे साधन ही स्वल्प हैं जिनके आधार पर अभी उस तत्व का प्रत्यक्षीकरण संभव नहीं हो पा रहा है। जब साम्यवादी विचारधारा का जन्म हुआ था तब वैज्ञानिक विकास बहुत स्वल्प मात्रा में हो पाया था। उन दिनों सृष्टि के अंतराल में काम करने वाली चेतन सत्ता का प्रमाण पा सकना अविकसित विज्ञान के लिए कठिन था, पर अब तो बादल बहुत कुछ साफ हो गए हैं। वैज्ञानिक प्रगति के साथ- साथ मनीषियों के लिए चेतन- सत्ता का प्रतिपादन कुछ कठिन नहीं रहा था। आधुनिक विज्ञानवेत्ता ऐसी संभावना प्रकट करने लगे हैं कि निकट भविष्य में ईश्वर का अस्तित्व वैज्ञानिक आधार पर भी प्रामाणिक हो सकेगा। जो आधार विज्ञान को अभी प्राप्त हो सके हैं वे अपनी अपूर्णता के कारण आज ईश्वर का प्रतिपादन कर सकने में समर्थ भले ही न हों पर उनकी संभावना से इंकार कर सकना उनके लिए भी शक्य नहीं है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक

सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक रिचार्डन से लिखा है-विश्व की अगणित समस्याओं तथा मानव की मानसिक प्रतिक्रियाएं वैज्ञानिक साधनों, गणित तथा यन्त्रों के आधार पर हल नहीं होतीं। भौतिक विज्ञान से बाहर भी एक अत्यन्त विशाल दुरूह अज्ञात क्षेत्र रह जाता है जिसे खोजने के लिए कोई दूसरा साधन प्रयुक्त करना पड़ेगा। भले उसे अध्यात्म कहा जाय या कुछ और। वैज्ञानिक मैकब्राइट का कथन है- इस विश्व के परोक्ष में किसी ऐसी सत्ता के होने की पूरी संभावना है जो ज्ञान और इच्छायुक्त हो। डॉ. मर्डेल ने लिखा है- विभिन्न धर्म, सम्प्रदायों में ईश्वर का जैसा चित्रण किया गया है वैसा तो विज्ञान नहीं मानता पर ऐसी संभावना अवश्य है कि अणु जगत् के पीछे कोई चिंतन शक्ति काम कर रही है । इस संभावना के सत्य सिद्ध होने से ईश्वर का अस्तित्व भी प्रामाणित हो सकता है। विख्यात विज्ञानी इंगोल्ड का कथन है कि जो चेतना इस सृष्टि में काम कर रही है उसका वास्तविक स्वरूप समझने में अभी हम असमर्थ हैं। इस संबंध में हमारी वर्तमान मान्यताएं अधूरी अप्रामाणिक और असंतोषजनक है। अचेतन अणुओं के अमुक प्रकार मिश्रण से चेतन प्राणियों के काम करने वाली चेतना उत्पन्न हो जाती है यह मान्यता संदेहास्पद ही रहेगी।

स्वीकार रहा है विज्ञान

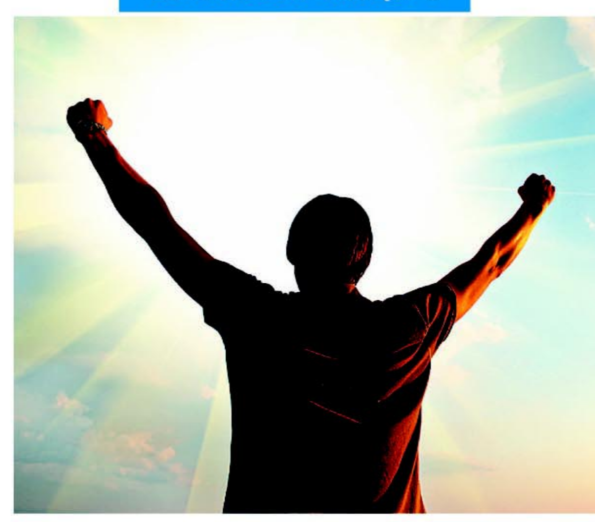

विज्ञान अब धीरे- धीरे ईश्वर की सत्ता स्वीकार करने की स्थिति में पहुंचता जा रहा है। जान अटुअर्ट मिल का कथन सचाई के बहुत निकट है कि विश्व की रचना में प्रयुक्त हुई नियमबद्धता और बुद्धिमत्ता को देखते हुए ईश्वर की सत्ता स्वीकार की जा सकती है। कान्ट, मिल, हेल्स, होल्टज, लांग, हक्सले, कम्टे आदि वैज्ञानिकों ने ईश्वर की असिद्धि के बारे में जो कुछ लिखा है वह बहुत पुराना हो गया, उनकी ये युक्तियां जिनके आधार पर ईश्वर का खंडन किया जाया करता था अब असामयिक होती जाती हैं। डॉ. पिलन्ट ने अपनी पुस्तक थीइज्म में इन युक्तियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ही खण्डन करके रख दिया है। भौतिक विज्ञान का विकास आज आशाजनक मात्रा में हो चुका है। यदि विज्ञान की यह मान्यता सत्य होती कि अमुक प्रकार के अणुओं के अमुक मात्रा में मिलने से चेतना उत्पन्न होती है। तो उसे प्रयोगशालाओं में प्रामाणित किया गया होता। कोई कृत्रिम चेतन प्राणी अवश्य पैदा कर ली गई होती अथवा मृत शरीरों को जीवित कर लिया गया होता। यदि वस्तुतः अणुओं के सम्मिश्रण पर ही चेतना का आधार रहा होता तो मृत्यु पर नियंत्रण करना मनुष्य के वश से बाहर की बात न होती। शरीरों में अमुक प्रकार के अणुओं को प्रवेश कर देना तो विज्ञान के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। यदि नया शरीर न भी बन सके तो जीवित शरीरों को मरने से बचा सकना तो अणु विशेषज्ञों के लिए सरल होना ही चाहिए था।

मान्यता बदलनी पड़ती है

विज्ञान का क्रमिक विकास हो रहा है। उसे अपनी मान्यताओं को समय-समय पर बदलना पड़ता है। कुछ दिन पहले तक वैज्ञानिक पृथ्वी की आयु केवल सात लाख वर्ष मानते थे और भारतीय ज्योतिर्विदों की उस उक्ति का उपहास उड़ाते थे जिसके अनुसार पृथ्वी की आयु एक अरब 67 करोड़ वर्ष मानी गई है। अब रेडियम धातु तथा यूरेनियम नामक पदार्थ के आधार पर जो शोध हुए हैं उससे पृथ्वी की आयु लगभग दो अरब वर्ष सिद्ध हो रही है और वैज्ञानिकों को अपनी पूर्व मान्यताओं को बदलना पड़ रहा है।

रमजान और खजूर का नाता...

रमजान का महीना हो और रोजा इफ्तार में खजूर न हो ऐसा नहीं हो सकता। रमजान में खजूर का बड़ा महत्व होता है। इफ्तार में खजूर खाना सुन्नत माना जाता है। मुस्लिम धर्मावलंबी इन दिनों दिनभर रोजा रखने के बाद शाम को इफ्तार के समय फल और हल्के पदार्थों का सेवन करते है लेकिन इस समय खजूर से रोजा इफ्तार करना बड़ा पवित्र माना जाता है। मदीने की खजूर अजूआ और अंबर रोजेदारों के बीच बड़ी पसंदीदा है। अजूआ खजूर के बारे में कहा जाता है कि 1400 साल पहले इसका पौधा पैगंबर साहब ने अपने हाथों से लगाया था। उसी की नस्ल आज तक मदीना में कायम है। यह खजूर अब दुनियाभर में लोगों की पसंद बन चुका है। अंबर खजूर को भी मदीना की खास

खजूर में माना जाता है। पवित्र कुरआन में कई बार उन उपकारों और मेहरबानियों की चर्चा की गई है जो फलों की सूरत में मनुष्य को प्रदान किए गए हैं। उन फलों में यूं तो अंगूर, अंजीर, अनार और जैतून का वर्णन बार-बार आया है, लेकिन कुरआन में जिस फल और दरख्त का उदाहरण सबसे ज्यादा दिया गया है वह खजूर है। इसका वर्णन नख़्ल और नखील के नाम से बीस बार कुरआन-ए-करीम में किया गया है। खजूर की किस्मों और उसकी गुठलियों वगैरह का वर्णन भी कुरआन पाक में अलग-अलग नामों से किया गया है।

अरब में खजूर

अरबी में यूं तो इसको खजूर के दरख्त को नख्ल कहते हैं और इसके फल को तमर कहा जाता है, लेकिन अरब और अफ्रीकी देशों में तमर के अलावा भी खजूर दूसरे अधिक नामों से मशहूर है। कुछ अरब मुल्कों में हिंदी शब्द खजूर और फारसी शब्द खुरमा भी काफी मशहूर हो गया है। अरब के बाजारों में खजूर अपनी किस्मों के नाम से भी बिकता है-जैसे अजवह, जाहदी, हलावी, हयाती, मजाफाती और फातमी इत्यादि।

सभ्यता को संवारा खजूर ने

वैज्ञानिकों के अनुसार खजूर की खेती आठ हजार साल पूर्व दक्खिन इराक में शुरू की गई थी। उस समय दुनिया में कहीं भी फलदार पौधों की खेती का विचार तक नहीं था, इसीलिए समझा जाता है कि सभ्यता के बनाने और संवारने में जितना दखल खजूर का है, किसी और पौधे का नहीं है। अरबों में एक पुरानी कहावत थी कि साल में जितने दिन होते हैं, उतने ही खजूर के प्रयोग और फायदे हैं और वास्तविकता भी कुछ ऐसी ही लगती है। एक तरफ उसकी लकड़ी इमारत और फर्नीचर बनाने के काम आती है तो दूसरी ओर उसकी पत्तियों से बेशुमार चीजें तैयार की जाती हैं। खजूर की गुठलियां जानवरों के लिए उचित चारा हैं और उसके फल मनुष्य के लिए अति श्रेष्ठ आहार हैं। उसकी आहार में उपयोगिता का अनुमान उसके रसायनिक भाग से किया जा सकता है, क्योंकि उसमें लगभग साठ प्रतिशत इनवर्ट शुगर और सुक्रोज के अलावा स्टार्च, प्रोटीन सेलुलोज और फैट विभिन्न मात्रा में उपलब्ध है। इसके अलावा इसमें विटामिन-बी और विटामिन-ली भी पाए जाते हैं। इसके खनिज पदार्थ भाग भी महत्वपूर्ण हैं। यानी सोडियम, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, फास्फोरस और आयरन। आहार से भरपूर इन खजूर के फलों से शर्बत, सिरका, मिठाइयां, शकर और एक प्रकार का शीरा तैयार किया जाता है जो शहद के समान होता है।

यह है सलाह

बुखारी शरीफ की एक हदीस के अनुसार हजरत मोहम्मद साहब ने रोजाना सुबह को सात खजूरें खाने की सलाह दी है। उन्होंने फरमाया है-सुबह नहार मुंह खजूरें (तमर) खाया करो कि ऐसा करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। बरनी खजूर एक उत्तम दवा है। खजूर खाने से कुलंज यानी आंतों की पीड़ा नहीं होती। नहार मुंह खाने से यह जहरों का तिरयाक यानी काट है। उजवा खजूर जन्नत से है। रात का खाना हरगिज न छोड़ों, चाहे एक मुट्ठी खजूर ही खा लो। रात का खाना छोड़ने से बुढ़ापा तारी होता है। जिस घर में खजूर हो उस घर वाले भूखे नहीं होते। जिसने सुबह मदीने की सात खजूरें (उजवा) खा लिया, वह उस दिन भर जहर और जादू से सुरक्षित रहेगा।

अनेक गुणों से भरपूर है बैंगन

बैंगन एक बहुत ही पौष्टिक सब्जी है लेकिन कुछ लोग इसे बिना गुण वाली सब्जी मानते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक है और बैंगन की सब्जी नहीं खाते हैं तो आज हम आपको अवगत करवाते हैं बैंगन के ऐसे गुणों से जिन्हें जानने के बाद आपकी गलतफहमी दूर हो जाएगी।

दिल के लिए: धमनियों की दीवारों में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम हो जाता है। यहां तक की खून की नसों में भी खून ठीक प्रकार से बहने लगता है।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है: बैंगन के सेवन से रक्त में बैंगन के सेवन से रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर गिरता है। बैंगन में पोटेशियम व मैंगनीशियम की अधिकता। बैंगन की पत्तियों के रस का सेवन करने से भी रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम किया जा सकता है।

संक्रमण से मुक्ती: बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में है जो प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है।

वेट लॉस: यह आहार चर्बी को जलाता है और कैलोरी कम करता है। इसमें फाइबर होता है जिसको खाने से पेट भर जाता है और जल्द भूख नहीं लगती, तो ऐसे में वजन भी कम होता है।

धूमपान छोड़ने में मददगार: प्राकृतिक तरीके से धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं तो डाइट में बैंगन का सेवन अधिक करें। निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी के तहत इसमें मौजूद निकोटिन की सीमित मात्रा धूम्रापान छोड़ने वाले लोगों के लिए मददगार हो सकती है।

दांत का दर्द: बैंगन का रस दांत के दर्द में लाभदायक प्रभाव दिखलाता है। अस्थमा के उपचार के लिए बैंगन की जड़ें प्रयुक्त की जाती हैं।

रक्त की कमी: आदिवासी चुल्हे पर भुने हुए बैंगन में थोडी सी शक्कर डालकर सुबह खाली पेट खाने की सलाह देते हैं, उनका मानना है कि ऐसा करने से शरीर में रक्त की कमी दूर हो जाती है।

पेट की बीमारी में: बैंगन का सूप तैयार किया जाए जिसमें हींग और लहसून भी स्वाद के अनुसार मिलाया जाए और सेवन किया जाए तो यह पेट फूलना, गैस, बदहज़मी और अपचन जैसी समस्याओं में काफी राहत देता है।

कैंसर से बचाए: इसमें एक तत्व पाया जाता है जो कि शरीर में कैंसर की सेल से लड़ने में सहायक होता है। अगर आप हर रोज बैंगन खाएंगे तो आपका शरीर कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत हो जाएगा। यह खासकर पेट के कैंसर से लड़ने में सहायक है।

अच्छी त्वचा: बैंगन त्वचा को हाइड्रेट करता है और अंदर से नमी प्रदान करता है। तो अगर आपके बाल और त्वचा रूखे-सूखे हैं तो आप बैंगन खाना शुरु कर दीजिए।

दिमाग के लिए: इस पेड़ में जो न्यूट्रियन्ट्स पाए जाते हैं वह हमारे दिमाग के लिए बहुत ही अच्छे होते हैं। यह किसी भी प्रकार के नुक्सान से हमारी कोशिका की झिल्ली को बचाते हैं। यह दिमाग को फ्री रैडिक्ल से बचाता है और ब्रेन का विकास करता है।

मधुमेह से लड़े: हाई फाइबर और कम कार्बोहाइड्रेट के तत्व होने के कारण यह मधुमेह रोगियों के लिये बहुत अच्छा आहार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)